शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 272 | गुवाहाटी | शनिवार, 9 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

देश में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर पेज 2
12 को डॉ. शर्मा लेंगे सीएम पद की शपथ : सैकिया पेज 3
वर्ष 2017 से पहले बदहाल स्थिति में था होमगार्ड विभाग, योगी सरकार... पेज 5
सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट पेज 7

सुवेंदु अधिकारी होंगे बंगाल के नए मुख्यमंत्री

अग्निमित्रा पॉल और निसिथ प्रमाणिक बनेंगे डिप्टी सीएम, सुबह 11 बजे लेंगे शपथ

कोलकाता। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। अग्निमित्रा पॉल और निसिथ प्रमाणिक डिप्टी सीएम होंगे। फाइनल ऐलान हो गया है। भाजपा विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर मुहर लग गई है। अब कल शपथ लेंगे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। इससे पहले हुई विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही सुनील बंसल, अमित मालवीय, बिप्लब देब, निशित प्रमाणिक, अग्निमित्र पाल और शंकर घोष मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि बंगाल की जनता ने पीएम मोदी पर भरोसा किया है। मैं हाथ जोड़कर राज्य की जनता को धन्यवाद देता हूं। हिंसा के बीच राज्य की जनता ने प्रचंड जनादेश दिया है। 321 देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिया है। आज गंगा से गंगासागर -शेष पृष्ठ दो पर

घुसपैठ-गौ तस्करी होंगी खत्म, बंगाल अब बनेगा *सोनार बांग्ला* : शाह

कोलकाता। कोलकाता में भाजपा विधायक दल की बैठक में अमित शाह ने कहा कि मैं आप सभी को, जिनमें बंगाल के अगले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी शामिल हैं, बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि हिंसा और धमकियों की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन बंगाल चुनाव में लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मैं बंगाल की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। कम्युनिस्ट युग से चले आ रहे माहौल को ममता बनर्जी ने और भी गहरा कर दिया था, जिसके चलते वहां मतदान करना लगभग असंभव हो गया था। बंगाल की जनता ने भाजपा और हमारे नेता नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताकर जो भारी जीत दिलाई है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं। शाह ने कहा कि मैं पार्टी की ओर से यह भी कहना चाहता हूं कि बंगाल की जनता ने हम पर जो उम्मीदें रखी हैं, जिनके आधार पर उन्होंने हमें यह जनादेश दिया है, हम उस भरोसे को पूरी तरह से निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा बंगाल की लोकतांत्रिक संरचना में बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से बंगाल लोकतंत्र के क्षरण, कानून-व्यवस्था के पतन, अर्थव्यवस्था की दुर्बलता और विकास की धीमी गति से जूझ रहा है। आज बंगाल एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। अमित शाह ने कहा कि आज त्रिपुरा में हमारी सरकार है, असम में हमारी सरकार है और अब बंगाल में भी हमारी सरकार बनी है... घसपैठ और गौ तस्करी असंभव होने वाली है। दृढ़ता के साथ बंगाल सरकार और भारत सरकार इस सीमा को राष्ट्र की सुरक्षा के अभेद किले की तरह परिवर्तित कर देगी। उन्होंने कहा कि हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का यह दायित्व है कि हम *सोनार बांग्ला* के लक्ष्य को आगे बढ़ाएं और बंगाल की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें। आज कवि गुरु की ये पंक्तियां सत्य सिद्ध हो रही हैं: एक ऐसे बंगाल -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु : विजय आज 11 बजे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली। तमिलनाडु में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शुक्रवार को तीसरी बार लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिले। विजय द्वारा समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात संक्षिप्त रही। कल सुबह 11 बजे विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस और वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने के कुछ घंटों बाद विजय शुक्रवार को तीसरी बार राजभवन पहुंचे, -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बीती रात गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित होने वाले असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ-साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के भी शामिल होने की उम्मीद है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि समारोह की सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से और समय पर पूरी हो जाएं। असम में सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को होने वाला है। इसकी आधिकारिक जानकारी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने दी। विधायक दल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सेनापति-चुराचांदपुर जिले से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हि.स.)। राज्य में लगातार सुरक्षा बलों एवं पुलिस की कार्रवाई जारी है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में जारी अभियानों में उग्रवादियों की गिरफ्तारी के साथ ही भारी मात्रा में हथियारों एवं गोला-बारूद के जखीरों की बरामदगी का सिलसिला जारी है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय शुक्रवार को आधिकारिक बयान में बताया कि 07 मई को सुरक्षा बलों ने सेनापति जिले के सेनापति थानांतर्गत मारेमई-हेंगबुंग पहाड़ी इलाकों में अभियान चलाते हुए भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया। बरामद सामग्रियों में दो प्वाइंट 22 बोर की राइफल मैगजीन -शेष पृष्ठ दो पर

हाथीकुली चाय बागान में महिला श्रमिकों के साथ उत्तराखंड के कृषि मंत्री जोशी ने तोड़ी चाय की पत्तियां

गोलाघाट (हि.स.)। उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने असम भ्रमण के दौरान आज असम के हाथीकुली चाय बागान का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने चाय बागानों में कार्यरत महिला श्रमिकों के साथ संवाद किया तथा स्वयं ताजी चाय की पत्तियां तोड़कर उन्हें पारंपरिक टोकरी में एकत्रित किया। उल्लेखनीय है कि हाथीकुली चाय बागान गोलाघाट एवं कार्बी आंग्लांग जिलों के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के किनारे स्थित, 687 हेक्टेयर में फैला है। इस चाय बागान की स्थापना वर्ष 1908 में हुई थी। वर्तमान में यह चाय बागान काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के ठीक बगल में स्थित है। एक मशहूर शत प्रतिशत ऑर्गेनिक और सर्टिफाइड बागान है। कृषि मंत्री जोशी ने असमिया चाय को राज्य की आत्मा बताते हुए चाय बागान से जुड़े परिवारों के कठिन परिश्रम और योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि असम की चाय उद्योग से जुड़ी परंपराएं, उत्पादन प्रणाली और श्रमिकों का समर्पण पूरे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। भ्रमण के दौरान उन्होंने हाथीकुली स्थित चाय फैक्ट्री का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर जोशी ने चाय की उत्पादन क्षमता, प्रसंस्करण एवं विपणन प्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने फैक्ट्री में अपनाई जा रही आधुनिक -शेष पृष्ठ दो पर

सोशल मीडिया प्रोफाइल से *मुख्यमंत्री* शब्द हटाने को तैयार नहीं ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गई हैं। इस समय वह मुख्यमंत्री पद पर नहीं हैं, लेकिन उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अब भी उनकी पहचान *मुख्यमंत्री* के रूप में दर्ज है। इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है। विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्यपाल के निर्देश और विधानसभा भंग होने के बाद भी ममता बनर्जी का सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री पद का उल्लेख बनाए रखना संवैधानिक मर्यादाओं -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।।
- अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

बंगाल की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में शनिवार को आयोजित होने वाले भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल होंगे। समारोह का निमंत्रण मिलने के बाद मुख्यमंत्री आज -शेष पृष्ठ दो पर

बरपेटा में ई-रिक्शा पर ले गए कैश बॉक्स सहित मेज

बरपेटा (हि.स.)। बरपेटा जिले के हाउली शहर में चोरों द्वारा एक अनोखी चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार चोर ई-रिक्शा में दुकान के कैश बॉक्स से जुड़ी पूरी मेज ही उठाकर ले गए। बताया गया है कि हाउली रास मंदिर के सामने स्थित एक पशु खाद्य के थोक दुकान के बरामदे से चोर मेज को चोरी कर ले गए। मेज के साथ दुकान का कैश बॉक्स भी जुड़ा हुआ था।

चंद्रनाथ को मारने बिहार से आए थे शार्प शूटर्स, 40 लाख में हुई थी मर्डर की डील

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद मामले की जांच तेजी से चल रही है। सुवेंदु ने खुद बताया कि जांच सही दिशा में बढ़ रही है। इस हत्याकांड को लेकर अब बड़ा खुलासा हुआ है कि चंद्रनाथ को मारने के लिए 40 लाख की सुपारी दी गई थे। साथ ही गोली मारने के लिए बिहार से 2 *शार्प शूटर्स* बुलाए गए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या की घटना को अंजाम देने के लिए बिहार से 2 शार्प शूटर्स बुलाए गए थे। कहा जा रहा है कि एक स्थानीय अपराधी ने इन शार्प शूटर्स के ठहरने और आने-जाने के लिए गाड़ियों का इंतजाम कराया था। जांचकर्ताओं को इस बात का शक है कि इस हत्या के लिए 30 से 40 लाख रुपए की सुपारी दी गई हो सकती है। यह भी संभव हो सकता है कि बाद में वे कोलकाता एयरपोर्ट से फ्लाइट -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से सात की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार के विभिन्न जिलों में शुक्रवार देरशाम आए आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से सात लोगों की मौत हो गई। राज्य में आकाशीय बिजली गिरने से भोजपुर में 01, पटना में 01, समस्तीपुर में 01 और पूर्वी चंपारण में 01 तथा आंधी-तूफान/तेज वर्षा से पेड़ गिरने के कारण दबकर पटना में 02 एवं वैशाली में 01 व्यक्ति की मृत्यु पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। -शेष पृष्ठ दो पर

सोमनाथ मंदिर हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प : मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 11 मई को उन्हें एक बार फिर वहां जाने का सौभाग्य मिलेगा। उन्होंने इसे भारत की सभ्यता और आस्था की महानता का प्रतीक बताया और उन विभूतियों एवं वीरों को नमन किया जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी सोमनाथ की रक्षा की और उसकी शान को पुनर्जीवित किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में सोमनाथ पर लिखे अपने -शेष पृष्ठ दो पर

असम-बंगाल में भाजपा की पावर का असर

बांग्लादेश ने सीमा पर बीजीबी को किया अलर्ट

ढाका। नई दिल्ली ने कहा कि वह ढाका से भारत से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की वापसी के लिए सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने की उम्मीद करती है। वहीं, बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि बांग्लादेश सीमा रक्षक बल (बीजीबी) को भारत से किसी भी संभावित घुसपैठ को रोकने के लिए सीमाओं पर सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर ढाका द्वारा अलर्ट जारी करने का यह कदम भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा बांग्लादेशी विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देने के कुछ घंटों बाद आया है। यह पश्चिम बंगाल और असम में विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद हुआ है। ये दोनों भारतीय राज्य बांग्लादेश की सीमा से लगते हैं, और अवैध अप्रवासन का मुद्दा हाल के चुनावों में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया था। 5 मई को, विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने कहा कि ढाका भारत की ओर से घुसपैठ की घटनाओं के खिलाफ उचित कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद अगर किसी भी तरह -शेष पृष्ठ दो पर

शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज तक तनाव

अमेरिका ने किया हवाई हमला, ईरान ने भी दिया जवाब

तेहरान/वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे शांति प्रयासों के बीच तेहरान से लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य तक तनाव बढ़ गया है। ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिकी सेना ने तटीय जलक्षेत्र में एक ईरानी तेल टैंकर और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह बंदरगाह के पास दूसरे जहाज को निशाना बनाया। इसके अलावा दक्षिणी ईरान के बंदर खमीर, सिरिक और केशम द्वीप के नागरिक इलाकों में अमेरिका की वायुसेना ने हवाई हमला किया। ईरान का दावा है कि उसने दुश्मन को माकूल जवाब दिया। अल जजीरा, इरना और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने आत्मरक्षा के लिए यह कदम उठाया। ईरान ने होर्मुज -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

देश में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर

नई दिल्ली (हि.स)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपए प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपए प्रति लीटर हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की लगभग 20 फीसदी ऊर्जा हॉर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से होकर गुजरती है, जिससे यह भारत के लिए बेहद अहम हो जाता है। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 40 फीसदी, एलपीजी का 90 फीसदी और प्राकृतिक गैस का 65 फीसदी हिस्सा मध्य-पूर्व से ही आयात करता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के चलते कच्चे तेल की कीमत लगभग 70 डॉलर से बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जबकि एलपीजी की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। उन्होंने कहा कि तेल विपणन कंपनियों को हो रहे नुकसान के बावजूद, भारत सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती करके एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर, पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देकर और गैस की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करके उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है। सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपए प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपए प्रति लीटर हैं। सरकार ने एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित की है, जिससे किसी भी वितरक को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर खाड़ी क्षेत्र के साथ भारत का संपर्क उच्चतम स्तर पर जारी है। विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की यूएई यात्राओं के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 7 मई, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया। भारत ने कतर और सऊदी अरब सहित अन्य खाड़ी साझेदारों के साथ भी संपर्क बनाए रखा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान विदेश सचिव ने यूएई की राज्य मंत्री और भारत के लिए विशेष दूत, रीम अल हाशिमी के साथ बातचीत की और खलदून अल मुबारक से मुलाकात की। चर्चाओं का मुख्य केंद्र व्यापार, निवेश, रक्षा, फिनटेक, स्वास्थ्य सेवा और पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय घटनाक्रम रहे। जायसवाल ने कहा कि उन्होंने मार्टिन ब्रिएन्स के साथ भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय बैठक में भी भाग लिया, जहां तीनों पक्षो ने अपनी साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और निर्धारित समय-सीमाओं के साथ एक व्यवस्थित रूपरेखा पर सहमति व्यक्त की।

थलपति विजय के लिए कांग्रेस ने कराया बहुमत का जुगाड़

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कडगम यानि टीवीके ने विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद अब सरकार गठन की दिशा में निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। लंबे राजनीतिक गतिरोध, पर्दे के पीछे चली बातचीत और बदलते गठबंधन समीकरणों के बीच आखिरकार विजय की पार्टी को बहुमत के लिए जरूरी समर्थन मिल गया है। बहुमत का जुगाड़ करने के बाद विजय ने आज शाम एक बार फिर राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें बताया कि उनके पास सरकार गठन लायक बहुमत है। हम आपको बता दें कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और वीसीके ने विजय की पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। हालांकि उन्होंने कहा है कि वाम दल बाहर से समर्थन देंगे; वे विजय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं होंगे। इन दलों के समर्थन से टीवीके ने 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। हम आपको बता दें कि चुनाव में विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीती थीं, लेकिन दो सीटों से चुनाव लड़ने के कारण विजय को एक सीट छोड़नी होगी, जिससे पार्टी की प्रभावी संख्या 107 रह गई। कांग्रेस के पांच विधायक तथा वामपंथी और वीसीके के कुल छह विधायकों के समर्थन से गठबंधन का आंकड़ा 118 तक पहुंच गया। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्वयं वाम दलों और वीसीके से बातचीत कर विजय की पार्टी का समर्थन करने के लिए राजी किया। कांग्रेस पहले ही डीएमके से अलग होकर विजय के साथ खड़ी हो चुकी थी। इसके बाद सरकार गठन के लिए जरूरी संख्या जुटाने का दबाव छोटे दलों पर बढ़ गया था। वाम दलों का मानना है कि जनता के जनादेश को नजरअंदाज कर दोबारा चुनाव कराना उचित नहीं होगा। एक वाम नेता ने कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की स्थिति से बचना जरूरी है और जनता ने जिस बदलाव के पक्ष में मतदान किया है, उसका सम्मान होना चाहिए। वहीं वीसीके ने भी साफ संकेत दिया कि तमिलनाडु की राजनीति में किसी बाहरी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शेख हसीना ने दी शुभेंदु अधिकारी को बधाई

कोलकाता/ ढाका (हि. स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद बधाइयों का सिलसिला जारी है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी इस जीत पर शुभकामनाएं दी है। अवामी लीग की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शेख हसीना ने विशेष रूप से शुभेंदु अधिकारी को उनकी जीत के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल और पूरे भारत के लोगों की समृद्धि और कल्याण की कामना की। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह जीत राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत मानी जा रही है। शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता यानी मुख्यमंत्री पद के लिए चुने जाने के साथ ही पूर्व मेदिनीपुर क्षेत्र ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अजय कुमार मुखर्जी 1967 और 1971 में संयुक्त मोर्चा सरकार के मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद करीब साढ़े पांच दशक तक मेदिनीपुर से कोई मुख्यमंत्री नहीं बना।

तमिलनाडु में भाजपा का किसी दल को समर्थन नहीं : नागेंद्रन

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्पष्ट कर दिया है कि वह फिलहाल राज्य में किसी भी दल के समर्थन में नहीं है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी ने न तो किसी दल को समर्थन दिया है और न ही किसी दल ने भाजपा से समर्थन मांगा है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य की सत्ता समीकरणों में अभी किसी पक्ष में नहीं है और जनता के जनादेश का सम्मान करती है। इससे पहले चेन्नई स्थित भाजपा मुख्यालय कमलालयम में पार्टी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव का लड़े भाजपा के सभी 27 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता द्वारा दिए गए जनादेश को पूरी गंभीरता से स्वीकार करती है।

मिड-डे मील से फिर बिगड़ी बच्चों की तबीयत, भोजन में सांप का हिस्सा मिलने का आरोप

सहरसा (हि.स.)। बिहार के सहरसा जिले में मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) को लेकर लगातार दूसरे दिन बड़ा मामला सामने आया है। महिषी प्रखंड के एक सरकारी स्कूल में गुरुवार को करीब 250 बच्चों के बीमार पड़ने की घटना के बाद शुक्रवार को सौरबाजार प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय मुरचा में मिड-डे मील खाने के बाद एक दर्जन से अधिक बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों और अभिभावकों ने भोजन में सांप का कांटा और शरीर का हिस्सा मिलने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सौरबाजार थाना क्षेत्र की सहुरिया पंचायत स्थित कन्या मध्य विद्यालय मुरचा में मध्याह्न भोजन खाने के कुछ ही देर बाद कई बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और घबराहट की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शिक्षकों और अभिभावकों की मदद से बच्चों को तत्काल सौरबाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बच्चों और उनके परिजनों का आरोप है कि मिड-डे मील में जहरीले सांप का कांटा और शरीर का कुछ हिस्सा मिला था। इससे पहले गुरुवार को महिषी प्रखंड के मध्य विद्यालय बलुआहा में भी भोजन में किसी मृत जीव या सांप के बच्चे जैसी संदिग्ध वस्तु मिलने की बात सामने आई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि संदिग्ध भोजन खाने के बाद ही बच्चों की तबीयत बिगड़ी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक स्कूल पहुंच गए और स्कूल प्रशासन तथा भोजन आपूर्ति व्यवस्था के खिलाफ जमकर हंगामा किया। हालात तनावपूर्ण होते देख पुलिस को मौके पर पहुंचना पड़ा। बलुआहा स्कूल में मिड-डे मील की आपूर्ति एक एनजीओ के माध्यम से की जाती है, जो पहले से तैयार भोजन उपलब्ध कराता है। लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद भोजन की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन ने भोजन के नमूनों की जांच कराने की बात कही है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग बच्चों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। इस मामले पर सहरसा के सिविल सर्जन डॉ. राजनारायण प्रसाद ने बताया कि कन्या मध्य विद्यालय मुरचा में मिड-डे मील खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली है और सभी का स्थानीय पीएचसी में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे फिलहाल खतरे से बाहर हैं।

पृष्ठ एक का शेष

सुवेंदु अधिकारी होंगे ...

तक भाजपा की सरकारें हैं। हमें विनम्रता से जिम्मेदारी निभानी होगी। बता दें कि रवींद्र जयंती के मौके पर शनिवार सुबह 10 बजे ब्रिगेड परेड ग्राउंड में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मौजूद रहेंगे। साथ ही एनडीए शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे। रवींद्र जयंती के मौके पर होने वाले शपथ-ग्रहण समारोह में बंगाली रंग की झलक भी देखने को मिलेगी। बताया जा रहा है कि दिलीप घोष, शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, निशित प्रमाणमिक, जितेंद्र तिवारी और शरदवत मुखर्जी मंत्री बन सकते हैं। नीलाद्रि शेखर और प्रणत टुडू भी मंत्री पद की दौड़ में हैं। इसके साथ ही रुद्रनील घोष, दुधकुमार मंडल और बंकिम घोष भी मंत्री बन सकते हैं। कई नामों पर चर्चा होने के बावजूद शुभेंदु इस दौड़ में सबसे आगे थे। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही कहा जा रहा था कि ममता बनर्जी के गढ़ भाबानीपुर से जीत दर्ज करने वाले शुभेंदु ही राज्य के नए सीएम होंगे। राज्य में पार्टी की जीत में उनका बड़ा योगदान है। इसके अलावा उन्हें कई वर्षों तक राज्य के मंत्री के रूप में काम करने का अनुभव भी है। इन सब तथ्यों को देखते हुए पार्टी आलाकमान ने उन्हें राज्य में सत्ता की कुर्सी सौंप दी है। अग्निमित्रा पॉल ने इस विधानसभा चुनाव में आसनसोल दक्षिण से जीत दर्ज की है। उन्हें 1 लाख 19 हजार 582 वोट मिले। उन्होंने 40 हजार से ज्याादा वोटों से इस सीट पर जीत का परचम लहराया। वहीं, निसिथ प्रमाणिक ने माथाभांगा विधानसभा सीट से जीत दर्ज की है। उन्हें 1 लाख 43 हजार 340 वोट मिले, उन्होंने 57 हजार 90 वोटों से जीत दर्ज की है।

घुसपैठ-गौ तस्करी होगा ...

का मार्ग प्रशस्त हो चुका है जहां मन भयमुक्त हो और सिर गर्व से ऊंचा हो, और बंगाल उस मार्ग पर चल रहा है। शाह ने कहा कि जब अनुच्छेद 370 हटा तो देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में खुशी की लहर दौड़ी, लेकिन मुझे कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी कसर बाकी है। तब मैंने आश्चर्य से पूछा था, अब क्या बचा? तब उन्होंने कहा था कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना बाकी है। मैं मानता हूं कि आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जहां भी होंगे, पीएम मोदी के नेतृत्व को आशीर्वाद दे रहे होंगे कि आज मोदी जी के नेतृत्व ने भाजपा को गंगोत्री से गंगासागर तक पहुंचाया। अमित शाह ने ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए भाबानीपुर के सभी मतदाताओं को धन्यवाद दिया। निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा कि दीदी, इस बार सुवेंदु दा (अधिकारी) ने आपको आपके घर में ही हरा दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को जनता की आजीविका और रोजगार के बारे में बोलने का कोई अवसर नहीं दिया जाता। उन्हें जनता की भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति नहीं है। फिर भी, सत्ताधारी दल नौ जिलों में शून्य पर सिमट गया है। यह केवल ईश्वर की कृपा और बंगाल की जनता के समर्थन के कारण ही संभव हुआ है।

तमिलनाडु : विजय आज...

उन्होंने सरकार बनाने के जरूरी आंकड़े का समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके ने चुनाव में कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया है। पार्टी प्रमुख विजय खुद दो सीटों से विजयी हुए हैं, जिसके चलते उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। ऐसे में विजय को सरकार गठन के लिए अभी और विधायकों के समर्थन की जरूरत है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), वीसीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (सीपीआई-एम) के पास 2-2 विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन टीवीके को पहले से मिला हुआ है। इन सभी को जोड़ने के बाद भी विजय के पास कुल 118 विधायकों का समर्थन बनता है। माकपा ने आधिकारिक पत्र जारी कर टीवीके सरकार को समर्थन देने की घोषणा की, जबकि सीपीआई ने *स्थिर, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक शासन* के नाम पर सशर्त समर्थन दिया। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने भी अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को दिया है। इन सभी के समर्थन के बाद टीवीके और उसके सहयोगी विधायकों की कुल संख्या 118 हो जाती है। यह संख्या बहुमत के आंकड़े के करीब है। चुनाव में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, टीवीके के संस्थापक विजय को उन दो विधानसभा सीटों में से एक से इस्तीफा देना होगा, जिन पर उन्होंने जीत दर्ज की है। विजय ने चेन्नई की पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट सीट से चुनाव जीता है।

डॉ. शर्मा ने शपथ ग्रहण...

का नेता चुनने के लिए विधायकों की होने वाली बैठक में 10 मई को केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रभारी एवं ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सह प्रभारी के रूप में उपस्थित रहेंगे। समीक्षा बैठक का विवरण साझा करते हुए निवर्तमान मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा है कि डॉ. शर्मा ने खानापारा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 3.0 सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। बयान में कहा गया कि डॉ. शर्मा ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर के सुचारू संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं उसी के अनुरूप की जाएं। डॉ. शर्मा द्वारा असम विधानसभा चुनाव में राजग की शानदार जीत के बाद राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपने के एक दिन बाद सभी तैयारियां शुरू हुई हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने चुनावों में 102 सीटें हासिल कीं, जिससे राज्य में लगातार तीसरी बार राजग सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया। यह चुनाव भाजपा के लिए एक बड़ी उपलब्धि भी साबित हुआ, क्योंकि असम में पहली बार पार्टी ने अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा पार किया है।

सेनापति-चुराचांदपुर जिले ...

के साथ, एक .303 बोर की राइफल मैगजीन के साथ, एक एमपी5 मैगजीन के साथ, एक एके-47 राइफल मैगजीन के साथ, चार स्थानीय तौर पर बनी बोल्ट एक्शन राइफलें, एक स्थानीय तौर पर बनी शॉटगन, तीन प्वाइंट 32 पिस्तौलें मैगजीन के साथ, दो प्वाइंट 22 बोर की पिस्तौलें मैगजीन के साथ, 79 अलग-अलग कैलिबर के जिंदा कारतूस और 13 अलग-अलग कैलिबर के खाली खोखे शामिल हैं। वहीं, अन्य एक अभियान में सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर थानांतर्गत हेंगकापकोट इलाके से भी हथियार एवं विस्फोटक बरामद किये गये हैं। बरामद सामग्रियों में तीन सिंगल बैरल राइफलें, एक प्वाइंट 303 राइफल, एक पॉम्पी, चार रॉकेट के गोले, एक बेलनाकार आईईडी (500 ग्राम विस्फोटक), एक शंक्वाकार आईईडी (4 किलोग्राम), चार बुलेटप्रूफ जैकेटें, दो हेलमेट, सात एके-47 के खाली खोखे, चार 7.62 एमएम के खाली खोखे और एक रेडियो सेट चार्जर शामिल हैं। फिलहाल, इन दोनों अभियानों में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस इस संबंध आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रखे हुए है।

हाथीकुली चाय बागान ...

तकनीकों और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं का अवलोकन करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में भी चाय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए असम के अनुभवों एवं पद्धतियों का अध्ययन कर उन्हें लागू करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उत्तराखण्ड में 1592 हेक्टेयर क्षेत्रफल में चाय बागानों का विकास एवं रखरखाव किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत लगभग 7.00 लाख किलोग्राम हरी चाय पत्तियों का उत्पादन कर 1.44 लाख किलोग्राम प्रसंस्कृत चाय का उत्पादन एवं बिक्री की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में चाय उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ टी-टूरिज्म को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए चाय बागान घोड़ाखाल, चम्पावत एवं कौसानी में टी-टूरिज्म योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाय बोर्ड के अन्तर्गत राज्य में वर्तमान में 05 चाय फैक्ट्रियां संचालित की जा रही हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने एवं उत्तराखण्ड की चाय को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर सल्ट के विधायक महेश जीना, कर्णप्रयाग के विधायक अनिल नौटियाल, कृषि सचिव डॉ. एसएन पांडेय, चाय निदेशक महेंद्र पाल, मैनेजर मित्राभानु दास सहित अन्य चाय उत्पादक उपस्थित रहे।

चंद्रनाथ को मारने बिहार...

पकड़कर फरार हो गए हों। सूत्रों का कहना है कि पुलिस और सीआईडी के अनुसार, हो सकता है कि इन लोगों ने पहले से ही फ्लाइट के जरिए भागने की योजना बना रखी हो, और इसलिए उन्होंने पहले से ही अपने पास नकली पहचान पत्र रखे हों। यह हत्या चुनाव परिणाम आने के 2 दिन बाद बुधवार रात करीब 10 बजे, जब चंद्रनाथ कार से मध्यमग्राम चौमाथा से जेसोर रोड होते हुए दोहरिया की ओर लौट रहे थे, इस बीच सड़क पर बारिश के पानी की वजह से उनकी कार स्लो हो गई। पीछे से 2 बाइक उनके करीब आईं। कुछ देर में करीब से फायरिंग कर चंद्रनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल के पास से मिले सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर यह दिख रहा है कि रात करीब 10:08 बजे, सफेद रंग की एक स्कॉर्पियो गाड़ी कुछ देर के लिए रुकती है। इस बीच महज कुछ ही सेकंड में हेलमेट पहने 2 युवक एक बाइक पर सवार होकर तेजी से जेसोर रोड की ओर बढ़े। ठीक 45 सेकंड बाद, गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने कार की खिड़की के बिल्कुल करीब आकर कई राउंड गोलियां चलाईं जिसमें चंद्रनाथ की मौत हो गई। पुलिस को शक है कि हत्या को लेकर पहले से प्लानिंग बनाई गई। सोची-समझी साजिश के तहत हत्या की गई, और इस घटना को सावधानी से रेकी करने के बाद अंजाम दिया गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि हत्यारे हमला करने से पहले कई दिनों से चंद्रनाथ की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। जांच कर रही एसआईटी के अनुसार, चंद्रनाथ का कोई करीबी ही है उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी लीक कर सकता है। जांचकर्ताओं ने यह भी पाया कि हत्या से कुछ ही समय पहले, हमलावर पीड़ित की कार का पीछा करते हुए बेलघरिया एक्सप्रेसवे और बारासात जैसे इलाकों से गजरे थे। पिछले पांच दिनों के दौरान कई जगहों से मिले सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर चंद्रमकी गतिविधियों पर रखी जा रही निगरानी के सबूत दिखाई देते हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बिहार से 2 शार्प शूटर्स बुलाए गए थे। आरोप है कि एक स्थानीय अपराधी ने उनके ठहरने और आने-जाने के लिए गाड़ियों का इंतजाम किया था। जांचकर्ताओं को सीसीटीवी फुटेज और फोन रिकॉर्ड के आधार पर शक है कि, पुलिस ने कई संदिग्धों की पहचान की है और उनसे जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है, जिसमें एक महिला भी शामिल है। इससे पहले कल गुरुवार सुबह, फोरेंसिक एक्सपर्ट्स और सीआईडी अधिकारी घटनास्थल पर फिर से परीक्षण के लिए गए। वहां पर मौजूद खून और अन्य सबूतों के सैंपल एकत्र गए। साथ ही इस अपराध में इस्तेमाल की गई बाइक को पहले ही बरामद कर लिया गया है। पुलिस को पता चला कि यह गाड़ी बिधाननगर में एक पुरानी गाड़ियों के शोरूम के बाहर से चुराई गई थी। यही नहीं कथित तौर पर बारासात के एक गैराज में इसके इंजन और चेसिस नंबरों के साथ छेड़छाड़ की गई थी। जांचकर्ताओं को यह भी पता चला कि इस वारदात के दौरान इस्तेमाल की गई एक और बाइक का नंबर सिलीगुड़ी के एक निवासी के नाम पर रजिस्टर्ड मिला है, और इसकी पहचान बिपाश दत्त के रूप में हुई है। हालांकि, पुलिस जब इस्लामपुर स्थित उस पते पर पहुंची, तो उन्हें वहां 2014 से रह रहा एक ई-रिक्शा ड्राइवर मिला, जिसने बताया कि वह इस नाम के किसी भी व्यक्ति को नहीं जानता। फिलहाल हत्याकांड को लेकर जांच जारी है, और पुलिस स्थानीय अपराधियों तथा राज्य के बाहर से बुलाए गए शूटरों के बीच संभावित संबंधों की जांच कर रही है।

बिहार में आंधी-तूफान ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

सोमनाथ मंदिर हमारी ...

लेख को साझा करते हुए कहा कि यह अवसर हमें स्मरण कराता है कि इस पावन स्थल की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए देश की कई पीढ़ियों ने निरंतर संघर्ष किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। समुद्र की लहरें हमें यह सिखाती हैं कि चाहे कितने भी तूफान क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। प्रभास की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है और यहां आने वाले श्रद्धालु उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का अनुभव करते हैं, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। प्रधानमंत्री ने उन असंख्य विभूतियों का स्मरण किया जिन्होंने आक्रमणों के बीच भी सोमनाथ की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों से लेकर महाराज धारसेन चतुर्थ, भीम प्रथम, जयपाल, आनंदपाल, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, जयसिंह सिद्धराज, कुमारपाल सोलंकी, भाव बृहस्पति, पाशुपताचार्य, विशालदेव वाघेला, त्रिपुरांतक, महिपाल चूड़ासमा, राव खंगार चूड़ासमा और पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर सहित अनेक नामों का जिक्र करते हुए कहा कि इन सबने कठिन समय में भी भक्ति और परंपरा को जीवित रखा। उन्होंने वीर हमीरजी गोहिल और वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों को भी नमन किया। प्रधानमंत्री ने अपने लेख में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार बल्लभ भाई पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि 13 नवंबर 1947 को सरदार पटेल ने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने समुद्र का जल हाथ में लेकर यह प्रतिज्ञा की थी कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। दुर्भाग्यवश वह इस सपने को साकार होते नहीं देख सके, लेकिन उनके विजन को केएम मुंशी ने आगे बढ़ाया और 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा हुआ। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उद्घाटन समारोह में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें अक्तूबर 2001 का वह समय याद है जब मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने दायित्व संभाला था। उसी वर्ष सरदार पटेल की जयंती पर सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का आयोजन हुआ था जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी उपस्थित थे। उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के उस ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक से देश *विकास भी, विरासत भी* के मंत्र पर चल रहा है। सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, सभी आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

सोशल मीडिया प्रोफाइल से ...

पर सवाल खड़ा करता है। इसे लेकर विभिन्न राजनीतिक वर्गों में चर्चा तेज हो गई है। ममता बनर्जी पहले ही चुनाव परिणामों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि यह जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश का परिणाम है और वह चुनाव नहीं हारी हैं। इसी कारण उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से भी इनकार किया था। हालांकि संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्यकाल समाप्त होने के बाद गुरुवार को राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश जारी किया। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में ममता बनर्जी के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर मुख्यमंत्री शब्द बने रहना केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी माना जा सकता है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि, वर्ष 2011 में ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के वाम शासन को समाप्त कर पश्चिम बंगाल की सत्ता संभाली थी। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए बिना किसी विवाद के राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। बाद में उन्होंने सार्वजनिक रूप से माना था कि जनता ने मतदान के जरिए अपना फैसला सुना दिया है। अब 2026 में एक बार फिर पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन की चर्चा तेज है और राज्य की राजनीति नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। आने वाले दिनों में राजनीतिक घटनाक्रम किस दिशा में जाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

बांग्लादेश ने सीमा पर...

की घुसपैठ की घटना होती है, तो बांग्लादेश उचित कार्रवाई करेगा। घुसपैठ से रहमान का तात्पर्य उन खबरों से था जिनमें भारत में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजा जा रहा था। ऐसी खबरें आई हैं कि कई राज्यों से अवैध प्रवासियों को पकड़ा गया और असम और त्रिपुरा से सीमा पार धकेल दिया गया, जहां विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सत्ता में थी। पश्चिम बंगाल अब भाजपा शासित राज्य बनने जा रहा है। रहमान की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि ढाका बंगाल को भी पुश-इन के लिए इस्तेमाल होते हुए देख रहा है। फरवरी 2025 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने असम सरकार को विदेशी घोषित किए गए व्यक्तियों के निर्वासन में तेजी लाने का निर्देश दिया था। गुरुवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत से अवैध बांग्लादेशियों की वापसी के मुद्दे को भारत का मुख्य मुद्दा बताया। रहमान की टिप्पणियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि बांग्लादेश भारत में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों के सत्यापन की प्रक्रिया में तेजी लाएगा। ग्यालस ने गुरुवार को अपनी साप्ताहिक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पिछले कुछ दिनों से इस तरह की टिप्पणियां सुनने को मिल रही हैं। इन टिप्पणियों को भारत से अवैध बांग्लादेशियों की वापसी के मुख्य मुद्दे के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इसमें स्पष्ट रूप से बांग्लादेश के सहयोग की आवश्यकता है। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश राष्ट्रीयता सत्यापन में तेजी लाएगा ताकि अवैध प्रवासियों की वापसी सुचारू रूप से हो सके।

शांति प्रयासों के बीच...

जलडमरूमध्य में उसके नौसैनिक बलों पर मिसाइलों, ड्रोन और तेज गति वाली नावों से हमला किया। इसलिए हमला करने के लिए जिम्मेदार ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी ठिकानों पर हुए हमलों को *प्यार भरा थप्पड़* बताया है। उन्होंने कहा कि सैन्य विराम जारी है। यह प्रभावी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ईरान ने हमसे पंगा लिया। हमने उन्हें उड़ा दिया। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान युद्ध खत्म करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर विचार करने की बात तो कह रहा है पर वह होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण औपचारिक रूप से स्थापित करने की भी कोशिश कर रहा है। शिपिंग इंटेलिजेंस फर्म *लॉयड्स लिस्ट* का कहना है कि जलडमरूमध्य अब बंद हो गया है। ईरान का कहना है कि उसने हाल ही में एक नई एजेंसी बनाई है। वह यहां से गुजरने वाले जहाजों को मंजूरी देने का काम करेगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा। इन कूटनीतिक प्रयासों के बीच, अंतर्राष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें गुरुवार को लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी रहीं। युद्ध शुरू होने से पहले यह कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल थी। तेहरान के साथ ताजा तनाव के बीच फ्लोरिडा के टैम्पा स्थित सेंट्रल कमांड ने बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि ताजा हवाई हमला आत्मरक्षा के लिए किया गया। विदेशमंत्री मार्को रूबियो ने पहले ही कह चुके हैं कि अमेरिका आत्मरक्षा करने में पीछे नहीं हटेगा। बताया गया है कि तेहरान में रात को कई जगह धमाके सुने गए। एयर डिफेंस सिस्टम को चालू किया गया। इस दौरान ईरान की राजधानी में दो धमाके हुए। ईरान के दक्षिणी इलाके के मीनाब शहर में गवर्नर ने घर से बाहर आकर एक नौसैनिक अड्डे पर हुए हमलों की पुष्टि की। बंदर अब्बास शहर में भी ताबड़तोड़ धमाके हुए हैं। संयुक्त सैन्य मुख्यालय के अधिकारियों ने बंदर खमीर और सीरिक पर हमलों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों ने दो ईरानी जहाजों को भी निशाना बनाया है। ट्रंप ने गुरुवार को सोशल ट्रुथ पर कहा कि ईरानी गोलीबारी के बीच अमेरिका के तीन जंगी जहाज होर्मुज से सफलतापूर्वक गुजर गए। जंगी जहाजों को कोई नुकसान भी नहीं पहुंचा।अमेरिकी सेना ने ईरान की हमलावर तेज रफ़्तार नावें, मिसाइलें और ड्रोन नष्ट कर दिए। ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व को पागल करार देते हुए चेतावनी दी कि अगर तेहरान जल्द किसी समझौते पर राजाी नहीं हुआ, तो उसे और भी सख्त सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

बंगाल की नई सरकार ...

कोलकाता के लिए रवाना होंगे। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन को लेकर सभी तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को होने जा रही भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हिस्सा लेंगे। इस बैठक में विधायक दल के नेता के नाम के साथ-साथ मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों के नाम भी अंतिम रूप से तय किए जाने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि इस शपथ ग्रहण समारोह में देश के कई एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी भाग लेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी उपस्थिति रहने की संभावना है।

12 को डॉ. शर्मा लेंगे सीएम पद की शपथ : सैकिया

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा है कि आगामी 12 मई को असम के निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा अध्यक्ष आज बोडोलैंड में चुनाव जीतकर आए बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के विधायकों के साथ एक बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह बैठक गठबंधन के तहत चुनाव जीते विधायकों के साथ वैचारिक आदान-प्रदान के लिए किया गया था। सैकिया ने कहा कि शपथ ग्रहण की तैयारी व्यापक पैमाने पर की जा रही है। उन्होंने बताया कि विधायक दल द्वारा 10 मई को विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा। इससे पूर्व कल जेपी नड्डा तथा अन्य नेता गुवाहाटी पहुंचकर विधायकों के साथ बैठक करेंगे। उल्लेखनीय के गुवाहाटी के खानापाड़ा पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां व्यापक पैमाने पर की जा रही हैं। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई भाजपा तथा एनडीए के नेताओं के मौजूद रहने की संभावना है। शपथ ग्रहण की तैयारियों का जायजा लगातार राज्य के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा तथा पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह द्वारा लिया जा रहा है। शपथ ग्रहण के लिए भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है।

असम की पंद्रहवीं विधानसभा को राज्यपाल ने किया भंग

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा सचिवालय ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर पंद्रहवीं असम विधानसभा को 6 मई, 2026 के पूर्वाह्न से भंग किए जाने की जानकारी दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार, भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (2)(बी) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा मुख्यमंत्री की सलाह पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यह आदेश जारी किया। अधिसूचना में कहा गया है कि पंद्रहवीं असम विधानसभा को 6 मई, 2026 के पूर्वाह्न से प्रभावी रूप से भंग कर दिया गया है। यह आदेश लोक भवन, असम से जारी किया गया तथा सामान्य जानकारी के लिए असम विधानसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित किया गया। अधिसूचना पर असम विधानसभा के सचिव डी. पेगू ने हस्ताक्षर किए।

ऐतिहासिक जीत के बाद दुधनै में राजग सहयोगी दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में मिले ऐतिहासिक जनादेश के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की उपस्थिति में आज दुधनै स्थित राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद सचिवालय में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दल राभा हासोंग संयुक्त संघर्ष समिति तथा राभा हासोंग क्षेत्र के विभिन्न दल-संगठनों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में असम की छठी अनुसूची क्षेत्रों तथा स्वायत्तशासी परिषदों में निवास करने वाले सभी जाति-जनजातियों के समग्र विकास को और अधिक मजबूत ढंग से आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई गई। उपस्थित नेताओं ने कहा कि राजग के सभी घटक दलों ने आपसी सहयोग और समन्वय के बल पर विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय हासिल की है। बैठक में राजग के सभी सहयोगी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ सकारात्मक माहौल में चुनावी समीक्षा भी की गई। साथ ही, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम के विकास की गति को और तेज करने के लिए सभी दलों ने मिलकर काम करने का संकल्प लिया। बैठक में मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, बीटीसी प्रमुख हग्रामा महिलारी, बीटीसी उपप्रमुख रिहन दैमारी, राभा हासोंग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर राभा, प्रदेश भाजपा के संगठनिक महासचिव रवींद्र राजू, प्रदेश महासचिव ऋतुपर्ण बरुवा, नवनिर्वाचित विधायक तथा राभा हासोंग क्षेत्र के विभिन्न संगठनों के कई प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में शामिल सभी पक्षों ने विकास, समन्वय और शांति का वातावरण बनाए रखते हुए राभा हासोंग क्षेत्र सहित पूरे असम की प्रगति के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

हाथी के हमले में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

तामुलपुर (हि.स.)। तामुलपुर जिले के बाथौपूरी इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में घायल व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीते 4 मई को बाथौपूरी चौक पर जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में बगाजुली कुमगुरी निवासी काटें मुसाहारी नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये थे। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में गंभीर अवस्था में भर्ती कराया गया था। जहां पर इलाज के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के लिए स्थानीय लोगों ने वन विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। स्थानीय लोगों कहना है कि इलाके में आए दिन जंगली हाथी खाद्य की तलाश में आकर जमकर उपद्र मचाते हैं। वहीं वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिसके वजह से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि आने वाले समय में अगर वन विभाग जंगली हाथियों को खदेड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाएगा है तो जान माल का भारी नुकसान हो सकता है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिक दर्ज कर लिया है।

गौहाटी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर विश्वविद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता आरंभ

गुवाहाटी (हि.स.)। शैक्षिक क्षेत्र के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के उद्देश्य से गौहाटी विश्वविद्यालय के सौजन्य तथा असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से शुक्रवार से दो दिवसीय अंतर-विश्वविद्यालय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। राज्य के 18 विश्वविद्यालयों के लगभग दो सौ खिलाड़ियों की भागीदारी वाले इस प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर ननी गोपाल महंत ने वर्तमान समय में शैक्षिक पाठ्यक्रम में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ-साथ खेलों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों के समग्र विकास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन तथा टीम भावना के निर्माण में खेलों की विशेष भूमिका होती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए गौहाटी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भी खेलों को विशेष महत्व दिया गया है। अंतर-विश्वविद्यालय स्तर की ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक सक्षम बनाने के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता विकसित करने में सहायक होती हैं। असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निदेशक अंकुर भराली ने गौहाटी विश्वविद्यालय के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कि राज्य में खेल संस्कृति को और अधिक मजबूत बनाने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताएं अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसे मंच खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा विकसित करने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ भविष्य के बड़े खेल मंचों के लिए तैयार होने में भी सहायता करेंगे। पंजीयक प्रोफेसर उत्पल शर्मा ने समय-समय पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए युवा कल्याण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों के बीच सौहार्द, समन्वय तथा स्वस्थ खेल भावना विकसित करने में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं की विशेष भूमिका होती है। इस उद्घाटन समारोह में विभागों के सचिव प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. रंजन कुमार काकती, उप छात्र कल्याण निदेशक डॉ. कुलदीप पाटगिरि तथा स्नातकोत्तर छात्र संघ के अध्यक्ष गुंजन डेका सहित अनेक प्राध्यापक एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

विस चुनाव 2026 के इंडेक्स कार्ड सांख्यिकीय रिपोर्ट ईसीआईनेट पर जारी

गुवाहाटी (हि.स.)। निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विधानसभा आम चुनाव एवं उपचुनाव 2026 से संबंधित इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्ट जारी कर दी है। आयोग ने आज आधिकारिक तौर पर बताया कि 6 मई को संपन्न हुए चुनावों के तहत मतदान वाले सभी विधानसभा क्षेत्रों के आंकड़े प्रकाशित कर दिए गए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, परिणाम घोषित होने के मात्र 72 घंटे के भीतर इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्ट उपलब्ध करा दी गई हैं। आयोग ने कहा कि ईसीआईनेट प्रणाली लागू होने के बाद यह प्रक्रिया काफी तेज हुई है, जबकि पहले फील्ड अधिकारियों द्वारा मैन्युअल डेटा भरने के कारण इसमें कई सप्ताह या महीने लग जाते थे। इंडेक्स कार्ड में उम्मीदवारों, मतदाताओं, पड़े वोटों, मतगणना, दलवार और उम्मीदवारवार मत प्रतिशत समेत कई महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल हैं। इन्हें ईसीआईनेट ऐप के *अबाउट इलेक्शंस* सेक्शन तथा निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है। आयोग ने इसके साथ ही विधानसभा चुनावों से जुड़े 14 सांख्यिकीय रिपोर्ट भी जारी किए हैं। इन रिपोर्टों में राज्यवार एवं विधानसभा क्षेत्रवार मतदाता संख्या, मतदान केंद्रों की संख्या, मतदान प्रतिशत, महिला-पुरुष भागीदारी, दलवार वोट शेयर और निर्वाचन क्षेत्रवार विस्तृत परिणाम जैसी जानकारियां दी गई हैं। निर्वाचन आयोग ने कहा कि यह पहल चुनावी आंकड़ों में पारदर्शिता बढ़ाने और शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों तथा आम जनता के लिए सूचनाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया कि मूल और अंतिम आंकड़े संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा संरक्षित वैधानिक प्रपत्रों में सुरक्षित रहते हैं।

आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई से कटिहार स्टेशन पर अनाधिकृत हॉकर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो के संबंध में, जिसमें कथित तौर पर कटिहार रेलवे स्टेशन पर एक महिला द्वारा खीरों को हरे फूड कलर में डुबोते हुए दिखाया गया है, पर त्वरित कार्रवाई करते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अनाधिकृत हॉकर को आज गिरफ्तार कर लिया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए प्राप्त शिकायत पर, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तुरंत इस मामले को प्राथमिकता देते हुए कार्रवाई की। घटना की जांच करने, उसकी पुष्टि करने और इसमें शामिल लोगों का पता लगाने के लिए आरपीएफ/पोस्ट/कटिहार (पूर्व) के अधिकारियों और कर्मचारियों की एक विशेष टीम बनाई। शुरुआती जांच के दौरान यह पता चला कि यह घटना कथित तौर पर 07 मई की दोपहर को कटिहार रेलवे स्टेशन पर हुई थी, जिसमें एक महिला विक्रेता को प्लेटफॉर्म पर खीरा छीलते हुए और उन्हें बेचने से पहले हरे रंग के लिक्विड फूड कलर में डुबोते देखा गया था। इसके आधार पर आरपीएफ के अधिकारियों ने उस महिला के खिलाफ एक लिखित शिकायत दर्ज कराई और आरपीएफ/पोस्ट/कटिहार (पूर्व) में रेलवे अधिनियम की धारा 144 और 147 के तहत एक मामला दर्ज किया गया। दर्ज शिकायत के बाद, आरपीएफ अधिकारियों ने कटिहार रेलवे स्टेशन पर एक सघन छापामारी कर तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान, अपलोड किए गए वीडियो में दिख रही महिला की पहचान बिहार के काढ़ागोला के बारी नगर वार्ड नंबर 5 नंबर निवासी फूलबती देवी (65) के रूप में हुई है। उसे प्लेटफॉर्म संख्या 06/07 पर खीरा बेचते हुए पकड़ा गया। मौके पर पूछताछ के दौरान, आरोपित महिला ने बताया कि उसने काढ़ागोला, कटिहार की रहने वाली एक अन्य महिला पार्वती देवी के साथ मिलकर पिछले दिन प्लेटफॉर्म संख्या 05 पर खीरों को छीला था और उसे हरे फूड कलर में डुबोया था, ताकि बेचते समय खीरा ताजा और आकर्षक दिखे। यह रंग आमतौर पर मिठाइयों में इस्तेमाल होता है। उसके कबूलनामे के बाद, आरोपित महिला को हिरासत में ले लिया गया और कानूनी कार्रवाई के लिए आरपीएफ/पोस्ट/कटिहार (पूर्व) ले जाया गया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, उसे उक्त मामले के संबंध में न्यायिक कार्रवाई के लिए एसीजेएम/रेलवे, कटिहार की अदालत में पेश किया जाएगा।

रेल यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता और भलाई सुनिश्चित करने के लिए पूसीरे पूर्णतः प्रतिबद्ध है। कटिहार रेलवे स्टेशन पर रेलवे अधिनियम के तहत अनाधिकृत फेरीवालों और अपराधियों के खिलाफ लगातार नियमित अभियान चलाए जा रहे हैं। निरंतर चलाए जा रहे इन अभियानों के परिणामस्वरूप, सिर्फ चालू वर्ष के दौरान कुल 619 विक्रेताओं को पकड़ा गया और रेलवे अधिनियम की धारा 144 के तहत उस पर मामला दर्ज किया गया।

गंभीर रूप से घायल अवस्था में एक व्यक्ति बरामद

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिले के जागीरोड इलाके इलाके में एक व्यक्ति खून से लथपथ गंभीर रूप से घायल अवस्था में देखे जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि जागीरोड के मईनाजान इलाके में गंभीर रूप से घायल अवस्था में एक व्यक्ति को देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया। घायल व्यक्ति के पास से एक साइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि किसी वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया होगा। घटना के संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पूसीरे के रेसुब ने चलाया तस्करी-रोधी टिकट जांच और प्रवर्तन अभियान

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अप्रैल 2026 के दौरान पूरे जोन में यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने, गैर-कानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने और एक सुरक्षित रेल वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखा। इस महीने के दौरान आरपीएफ/पूसीरे ने रेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 3081 मामले दर्ज किए और रेल परिसर में गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए 3000 से अधिक अपराधियों पर मुकदमा दायर किया गया। आरपीएफ ने टिकट जांच अभियानों में भी सहायता की, जिसके परिणामस्वरूप 1074 बिना टिकट यात्रियों की पहचान की गई और 10 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना वसूला गया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि प्रवर्तन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, आरपीएफ/पूसीरे ने नशीले पदार्थों की तस्करी के 33 मामले पकड़े। ये सभी गांजा, ब्राउन शुगर और कफ सिरप से संबंधित थे। इसकी कीमत 2.35 करोड़ से अधिक आंकी गई थी। इसके अलावा, अवैध शराब की तस्करी के मामलों में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया। दलालों के खिलाफ चलाए गए अभियानों में, चार दलालों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 47 रेल टिकट जब्त किए गए, जिसकी कीमत 1.43 लाख से ज्यादा थी। इसके अलावा रेल संपत्ति की चोरी में शामिल 32 लोगों को पकड़ा गया और उनके पास से चोरी किया गया रेलवे का सामान बरामद किया गया। इसकी कीमत 2.10 लाख से ज्यादा थी। यात्रियों के बचाव और सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत आरपीएफ/पूसीरे ने यात्रियों के सामान की चोरी में शामिल 28 लोगों को पकड़ा और चोरी का सामान बरामद किया, जिसमें 44 मोबाइल फोन भी शामिल हैं। इसकी कीमत 6.19 लाख से अधिक है। आरपीएफ ने इस महीने के दौरान चलती ट्रेनों पर पत्थर फेंकने की घटनाओं में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया और 16 अवैध प्रवासियों को पकड़ा। इसके अलावा, लगभग 1.40 करोड़ रुपए का छूटा हुआ 113 सामान बरामद किया गया और उचित सत्यापन के बाद यात्रियों को लौटा दिया गया। औसतन, पूरे जोन में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा प्रतिदिन 53 ट्रेनों को एस्कॉर्ट किया गया।

बालीपारा में सड़क दुर्घटना बाइक सवार युवक की हुई मौत

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिले के बालीपारा में एक सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मृतक की पहचान अनुपम सरकार के रूप में हुई है। वह बालीपारा के समीप स्थित सरूपाट गांव का निवासी बताया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे एएस-12-एम-3934 नंबर की बाइक के साथ एक युवक घायल अवस्था में दिखाई दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत चारदुआर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चार्दिुआर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को गंभीर हालत में बालीपारा अस्पताल ले गई। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। उधर नगांव जिले के कोलियाबर इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, अन्य एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि जिले के कोलियाबर के सिलघाट इलाके में तेज रफ्तार वाहन द्वारा ठोकर मारे जाने से एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य एक युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृत युवक की पहचान सिलघाट के सोनाराम गोगोई के रूप में की गई है। वहीं घायल युवक की पहचान गौतम सैकिया के के रूप में की गई है। घटना के समय दोनों सड़क किनारे बांस के बने बैठने वाले आसन पर बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि, घायल युवक का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

असम में गिरफ्तार जिहादी के घर पर एनआईए का छापा

बरपेटा (हि.स.)। बरपेटा जिलांतर्गत बरपेटा रोड शहर के समीप निसुका में शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने छापेमारी की। मिली जानकारी के अनुसार निसुका गांव निवासी सुल्तान महमूद नामक एक जिहादी के घर पर एनआईए ने छापेमारी की। ज्ञात हो कि, बीते वर्ष 30 दिसंबर को एनआईए ने निसुका गांव निवासी जिहादी को गिरफ्तार किया था। एनआईए इस मामले में अपनी जांच जारी रखते हुए आज जिहादी के घर पर सबूतों को खंगालने के लिए छापेमारी की। एनआईए की टीम ने सुल्तान महमूद के घर पर आज सुबह 5-8 बजे तक तलाशी अभियान चलाया। उल्लेखनीय है कि, सुल्तान महमूद वर्तमान में गुवाहाटी केंद्रीय कारागार में बंद है।

इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का सफल समापन

बरपेटा ने धेमाजी को हराकर खिताब अपने नाम किया

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने सीनियर इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 - प्लेट ग्रुप का सफलतापूर्वक समापन किया। शुक्रवार को मंगलदै के एमएएस स्टेडियम में हुए फाइनल में, बरपेटा ने धेमाजी को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना का फैसला करने के बाद, धेमाजी की टीम 35 ओवरों में 115 रनों पर ऑल आउट हो गई। 39 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे प्रियांशु, जबकि आर्यन कश्यप ने 56 गेंदों पर 25 रन बनाए। बरपेटा की गेंदबाजी की कमान अमलान ज्योति दास ने संभाली, जिन्होंने 33 रन देकर 3 विकेट लिए। बिकिरन दास और हृदीप डेका ने भी दो-दो विकेट लेकर अहम योगदान दिया। जवाब में, बरपेटा ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया और 25.4 ओवरों में 121/4 का स्कोर बनाया। डेनिश दास ने 47 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाकर पारी को संभाला, जबकि

हृषिकेश दास 32 गेंदों पर 29 रन बनाकर नाबाद रहे। धेमाजी की ओर से, अभिजोत सिंह सिद्धू ने दो विकेट लिए, जबकि प्रियांशु और राजेश प्रसाद ने एक-एक विकेट हासिल किया। इस टूर्नामेंट को और भी खास बनाते हुए, असम क्रिकेट एसोसिएशन ने प्लेट ग्रुप चैंपियनशिप ट्रॉफी को *नबो कमल भुइयां मेमोरियल ट्रॉफी* के रूप में समर्पित किया। यह सम्मान स्वर्गीय नबो कमल भुइयां को दिया गया, जिन्होंने असम क्रिकेट में अपना अमूल्य योगदान दिया था और एक स्थायी विरासत छोड़ी थी। विजेता टीम, बरपेटा को 10 लाख का नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि उपविजेता धेमाजी को 7 लाख मिले। समापन समारोह की शोभा आयुषी जैन (आईएएस, डीसी दरांग), रोमेन दत्त (एसीए उपाध्यक्ष), अनुपम डेका (एसीए कोषाध्यक्ष), मुकुता नंदा भट्टाचार्य (एसीए एपेक्स काउंसिल सदस्य), और गुरुज्योति दास (अध्यक्ष, मंगलदै स्पोर्ट्स एसोसिएशन) ने बढ़ाई। प्रणब बरुवा, सचिव, मंगलदै स्पोर्ट्स एसोसिएशन और जिला अधिकारी भी शामिल थे। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (फाइनल): अमलानज्योति दास (बरपेटा) था। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज: संजय कुमार सिंह (मंगलदै) थे। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: मृण्मय दत्त (शिवसागर) था। टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी: अमलानज्योति दास (बरपेटा) था। इस बात की जानकारी असम क्रिकेट एसोसिएशन के सीईओ प्रीतम महंत ने दी।

संपादकीय

क्रिकेट का जलवा

क्रिकेट का यह सीजन हिमाचल को नया नाम और शोहरत का पैगाम दे रहा है, तो इससे संपूर्ण खेलों का माहौल और खेल पर्यटन का अंदाज बदलना चाहिए। आईपीएल की श्रृंखला में पहले ही तीन मैच यहां होने तय हैं, तो अब एक क्वालिफायर जुड़ने से धर्मशाला में क्रिकेट स्टेडियम की चर्चा पूरे सीजन की करामात में दर्ज होगी। इसके बाद जून में अफगानिस्तान टीम का एक मैच भी यहां के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व को दर्शकों की पलकों पर बैठाएगा। हैरानी यह कि क्रिकेट से काफी पहले धर्मशाला में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं खास तौर दुर्गामल-दलबहादुर फुटबाल ट्रॉफी होती आई है, लेकिन खेल अधोसंरचना मुकम्मल नहीं हुई। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बन रहे फुटबाल स्टेडियम भी अगर क्रिकेट अधोसंरचना का अनुसरण करता तो अब तक फुटबाल के कई महाकुंभ लग चुके होते। प्रदेश की कृत्रिम झीलों में साहसिक व जल क्रीड़ाओं के लिए आवश्यक ढांचा बने, तो राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय तालिकाओं के दावे हिमाचल से बढ़ सकते हैं। काफी वर्षों से भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में धर्मशाला की पहाडियों पर हाई अल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र की रूपरेखा बनाई और मिटाई जा रही है, तो हम मान सकते हैं कि राजनीति का खेल हर संभावना पर भारी है। दूसरी ओर क्रिकेट की नब्ज पर हाथ रखते हुए सांसद अनुराग ठाकुर ने अगर एक स्टेडियम का संकल्प लिया, तो नतीजे सामने हैं। यह सिर्फ आईपीएल या दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैच ही नहीं, बल्कि आम दिनों में भी क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों के मेले लगते हैं। हिमाचल में ऐसे कई दर्शनीय मैदान हैं और अगर वहां विभिन्न खेलों की अधोसंरचना विकसित करने के अलावा अकादमियां विकसित की जाएं, तो सारे राष्ट्र के तमगे यहां तैयार होंगे। विडंबना यह है कि विकास के नाम पर ऐतिहासिक मैदानों पर कंक्रीट उगाया जाने लगा है। सुजानपुर मैदान की आधी विरासत कई विभागों के नाम हो गई है, तो धर्मशाला के मैदान के एक बड़े भाग पर पुलिस ने इमारतों की जुंबिश लगा दी है। कुल्लू, चंबा, मंडी, नाहन, धर्मशाला और सोलन के प्रमुख मैदान खेल विभाग के नाम होने चाहिएं। इसी तर्ज पर हर शहर में कम से कम चार और हर गांव में अनिवार्य रूप से एक मैदान विकसित करना होगा। धर्मशाला में आईपीएल के चार मैचों का नूर पर्यटन व होटल इंडस्ट्री पर चढ़ेगा। हिमाचल के प्रवेश द्वारों से धर्मशाला तक का खेल सफर निपुण होकर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है। होना तो यह चाहिए कि हम क्रिकेट प्रेमियों की तरह फुटबाल, वालीबाल, एथलेटिक्स, पैराग्लाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स, हॉकी व अन्य खेलों के प्रेमियों को अलग-अलग स्थानों पर आकर्षित करें। क्रिकेट एसोसिएशन ने अल्पकाल में अपने कार्य के दायित्व में दक्षता, गुणवत्ता, संभावना तथा क्षमता को निरंतर सशक्त किया है, तो इसी तराजू में बाकी खेल भी अपना वजन बढ़ा सकते हैं। हिमाचल एक बार राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मंजूर करके, पूरे राज्य के खेल ढांचे को मजबूत कर सकता है। राष्ट्रीय खेल आयोजन का मुख्य केंद्र धर्मशाला को बनाते हुए ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, पालमपुर, मंडी, चंबा, सोलन व शिमला जैसे स्थलों पर अलग-अलग खेलों के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विभिन्न इनडोर व आउटडोर स्टेडियम निर्मित किए जा सकते हैं। बहरहाल क्रिकेट के मजबूत आधार पर एक बार फिर अरुण धूमल ने अपना करिश्मा दिखाते हुए आईपीएल के चार मैचों का आयोजन अगर सुनिश्चित किया है, तो पूरी होटल इंडस्ट्री को भी सहयोग करते हुए खेल प्रेमियों को तरह-तरह के ऑफर तथा मनोरंजन के अवसर प्रदान करने होंगे। भले ही मैचों के बीच धर्मशाला नगर निगम चुनाव शिरकत कर रहा होगा, लेकिन मुद्दों की बिसात में यह समझना होगा कि इस अवसर के माध्यम से शहर को किस तरह सशक्त करने की जरूरत है।

आईपीएल की श्रृंखला में पहले ही तीन मैच यहां होने तय हैं, तो अब एक क्वालिफायर जुड़ने से धर्मशाला में क्रिकेट स्टेडियम की चर्चा पूरे सीजन की करामात में दर्ज होगी। इसके बाद जून में अफगानिस्तान टीम का एक मैच भी यहां के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व को दर्शकों की पलकों पर बैठाएगा। हैरानी यह कि क्रिकेट से काफी पहले धर्मशाला में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं खास तौर दुर्गामल-दलबहादुर फुटबाल ट्रॉफी होती आई है, लेकिन खेल अधोसंरचना मुकम्मल नहीं हुई। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बन रहे फुटबाल स्टेडियम भी अगर क्रिकेट अधोसंरचना का अनुसरण करता तो अब तक फुटबाल के कई महाकुंभ लग चुके होते। प्रदेश की कृत्रिम झीलों में साहसिक व जल क्रीड़ाओं के लिए आवश्यक ढांचा बने, तो राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय तालिकाओं के दावे हिमाचल से बढ़ सकते हैं। काफी वर्षों से भारतीय खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में धर्मशाला की पहाडियों पर हाई अल्टीट्यूट खेल प्रशिक्षण केंद्र की रूपरेखा बनाई और मिटाई जा रही है, तो हम मान सकते हैं कि राजनीति का खेल हर संभावना पर भारी है। दूसरी ओर क्रिकेट की नब्ज पर हाथ रखते हुए सांसद अनुराग ठाकुर ने अगर एक स्टेडियम का संकल्प लिया, तो नतीजे सामने हैं। यह सिर्फ आईपीएल या दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैच ही नहीं, बल्कि आम दिनों में भी क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों के मेले लगते हैं।

लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है

इंडी में बिखराव का खतराः विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी अनिवार्य भूमिकाएं हैं। जहां सत्ता नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा, संतुलन और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष स्वयं ही असंगठित, दिशाहीन और अंतर्विरोधों से ग्रस्त हो जाए, तब लोकतांत्रिक संतुलन भी प्रभावित होता है। हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है। उसे विकास कार्यों में सहयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बना रहे। दुर्भाग्यवश, पिछले दो दशकों में विपक्ष का एक बड़ा वर्ग इस रचनात्मक भूमिका से भटकता दिखाई दिया है, जहां नीतिगत बहसों की जगह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक शोर-शराबा अधिक प्रमुख हो गया है। इंडिया गठबंधन का गठन एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ हुआ था-भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना। प्रारंभिक स्तर पर यह प्रयास कुछ हद तक सफल भी दिखाई दिया, जब इस गठबंधन ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से दूर रखने में भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट होता गया कि यह गठबंधन वैचारिक एकता से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका आंतरिक समन्वय है, जहां विभिन्न दलों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं और अलग-अलग राजनीतिक एजेंडे अक्सर एक-दूसरे से टकराते हैं। सीट बंटवारे से लेकर नेतृत्व के प्रश्न तक, हर स्तर पर मतभेद सामने आते रहे हैं, जिससे यह स्थिति बनती है कि केवल एक साझा विरोध के आधार पर गठबंधन को स्थायी नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी जैसे प्रमुख चेहरों के बीच जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, वह गठबंधन की आंतरिक स्थिति को और अधिक उजागर करती है। सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे की आलोचना करना न केवल राजनीतिक परिपक्वता की कमी को दर्शाता है, बल्कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा करता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने का तरीका और मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जब गठबंधन के नेता ही एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने लगें, तो यह संदेश जाता है कि गठबंधन केवल नाम का है और वास्तविकता में वह बिखराव की ओर बढ़ रहा है। महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष का रुख भी उसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है। यह विधेयक भारतीय समाज की आधी आबादी से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय था, लेकिन इसका विरोध जिस रूप में सामने आया, उसने विपक्ष की स्थिति को कमजोर किया। विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसका स्वरूप रचनात्मक होना चाहिए था। यदि विपक्ष इस विधेयक में सुधार के सुझाव देता, उसके क्रियान्वयन की समय-सीमा और प्रक्रिया पर सवाल उठाता, तो वह अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता था, लेकिन सीधे विरोध में खड़ा होना, वह भी बिना स्पष्ट जनसंदेश के यह दर्शाता है कि विपक्ष मुद्दों को समझने और उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत करने में चूक कर रहा है। इसका प्रभाव विशेष रूप से महिला मतदाताओं पर पड़ा, जिन्होंने इसे अपने अधिकारों के विस्तार के रूप में देखा और इसी का राजनीतिक लाभ भाजपा ने अपनी रणनीति के माध्यम से उठाया। भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आत्मसमीक्षा और सुधार की क्षमता रही है। हार के बाद भी वह अपने संगठन, नेतृत्व और रणनीति में बदलाव करती है, जिससे वह और अधिक मजबूत होकर सामने आती है। इसके विपरीत, विपक्ष अक्सर अपनी हार के कारणों को बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जिससे वह अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में असफल रहता है। राजनीति में परिपक्वता का अर्थ है हार को स्वीकार करना, उससे सीखना और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाना, लेकिन इस दिशा में विपक्ष को अभी लंबा रास्ता तय करना है। विपक्षी गठबंधन के भीतर सबसे बड़ा संकट हितों का टकराव है, जहां हर दल अपने क्षेत्रीय आधार को मजबूत करने की कोशिश करता है और इसी प्रक्रिया में वह अपने सहयोगी दलों से भी प्रतिस्पर्धा करने लगता है। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां सहयोग और प्रतिस्पर्धा एक साथ चलते हैं और अंततः यही स्थिति बिखराव को जन्म देती है। जब तक गठबंधन के भीतर स्पष्ट भूमिका निर्धारण, न्यूनतम साझा कार्यक्रम और नेतृत्व की स्वीकृति नहीं होगी, तब तक यह टकराव समाप्त नहीं होगा। विपक्षी दलों की यह नाकामी केवल रणनीतिक कमजोरी नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व की मंशा और प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। जब विपक्ष जनहित के मुद्दों को छोड़कर सत्ता प्राप्ति के लिए अवसरवादी गठजोड़, भ्रामक प्रचार और व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है, तब वह अपनी नैतिक विश्वसनीयता खो देता है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व जनभावनाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व करना और सरकार को सही दिशा में प्रेरित करना है, न कि केवल विरोध के लिए विरोध करना। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपने आचरण और दृष्टिकोण में सुधार लाए, सिद्धांतों और मूल्यों पर आधारित राजनीति को पुनर्जीवित करे तथा जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करे। तभी भारतीय लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में मजबूत और संतुलित बन सकेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष स्वयं को पुनर्गठित करे, अपनी वैचारिक स्पष्टता स्थापित करे और जनता के सामने एक सकारात्मक एवं ठोस विकल्प प्रस्तुत करे। केवल विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनहित के मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण और व्यवहारिक समाधान भी आवश्यक हैं। आंतरिक मतभेदों को सार्वजनिक करने के बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाना होगा और जनता के बदलते मिजाज को समझते हुए अपनी रणनीति को नया स्वरूप देना होगा। भारतीय राजनीति एक ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां मतदाता अधिक सजग और निर्णायक हो चुका है। ऐसे में गठबंधन की राजनीति को केवल संख्या के खेल से आगे बढ़कर विश्वास, समन्वय और स्पष्टता की नींव पर खड़ा होना होगा। बिखराव केवल राजनीतिक शक्ति को ही कमजोर नहीं करता, बल्कि लोकतंत्र के संतुलन को भी प्रभावित करता है। अंततः राजनीति में वही सफल होता है जो समय के साथ सीखता है, बदलता है और स्वयं को बेहतर बनाता है। "हार को पचाना और उससे सीख लेना" केवल एक कहावत नहीं, बल्कि सफल राजनीति का मूलमंत्र है, जिसे भाजपा ने बार-बार सिद्ध किया है और अब विपक्ष के सामने भी यही चुनौती है कि वह इस मूलमंत्र को अपनाकर अपने बिखराव को शक्ति में बदल पाए या फिर आंतरिक संघर्षों में उलझकर अपनी प्रासंगिकता खोता जाए।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है।

देश दुनीया से

तेजाब और पितृसत्ता के बीच संघर्ष करती स्त्री

हाल ही में देश के शीर्ष न्यायालय ने 'शाहीन मलिक बनाम भारत संघ' मामले में एसिड अटैक के संबंध में मौजूदा कानूनों के तहत तेजाब हमलों से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने माना कि ऐसे अपराधों के लिए निर्धारित दंड पर्याप्त नहीं हैं तथा कई पीड़ित अब भी उचित कानूनी पहचान और सहायता से वंचित हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों की भी समीक्षा की। अदालत ने पाया कि अधिनियम की वर्तमान अनुसूची में तेजाब हमले के पीड़ितों को केवल उन व्यक्तियों तक सीमित रखा गया है जो 'एसिड या इसी तरह के संहारक पदार्थ फेंकने से हुए हिंसक हमलों के कारण विकृत हो गए हैं।' न्यायालय ने केंद्र सरकार से अनुसूची में संशोधन कर ऐसे मामलों को शामिल करने पर विचार करने को कहा। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, 'यदि इस संशोधन को अधिसूचित किया जाता है तो हम इसकी सराहना करेंगे।' यही नहीं पीठ ने तेजाब की सहज उपलब्धता और उसकी अवैध बिक्री पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि अवैध रूप से तेजाब बेचने वाले विक्रेताओं को जिम्मेदारी से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए तथा ऐसे मामलों में उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि दायित्व केवल हमलावर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुनवाई के दौरान अपराधियों पर कठोर आर्थिक दंड लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने जैसे उपायों पर भी चर्चा हुई। अदालत ने टिप्पणी की, 'हमलावर की संपत्ति, जिसमें संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति में उसका हिस्सा भी शामिल है, क्यों न जब्त की जाए? हम आत्मसम्मान आदि की बात करते हैं... तो आरोपी को क्यों नहीं भुगतना चाहिए?' एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं। विशेष रूप से वे लोग भी प्रश्नों के घेरे में आ जाते हैं, जो इस हिंसा के विरुद्ध बोलने का साहस नहीं जुटा पाते। बिना किसी अपराध के जीवनभर असहनीय पीड़ा सहना केवल शारीरिक या मानसिक यातना भर नहीं है। यह उस धीमे ज़हर की तरह है, जिसमें पीड़िता हर दिन जीते हुए स्वयं को अपराधबोध, उपेक्षा और सामाजिक असहजता के बीच घिरा हुआ पाती है। विडंबना यह है कि तेजाब का प्रभाव केवल शरीर को नहीं जलाता, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन के प्रति विश्वास को भी भीतर तक झुलसा देता है। यदि हम यह सोचते हैं कि ऐसी कुंठित मानसिकता केवल भारत तक सीमित है, तो यह हमारी गंभीर भूल होगी। स्त्री को अस्वीकार किए जाने, नियंत्रण खो देने या आहत अहंकार के प्रतिशोध में हिंसा का शिकार बनाना दरअसल संपूर्ण विश्व की एक सामाजिक बीमारी है। पुरुष अक्सर स्त्री की 'न' को स्वीकार नहीं कर पाता। जब उसका अहंकार घायल होता है, तब वह शक्ति, भय, हिंसा या नियंत्रण के माध्यम से स्त्री पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। और जब वह ऐसा करने में असफल होता है, तब कई बार प्रतिशोध सबसे क्रूर रूप में सामने आता है। नारीवादी चिंतक बेल हुक्स पितृसत्ता को ऐसी व्यवस्था मानती हैं, जो पुरुष को यह विश्वास दिलाती है कि प्रभुत्व उसका स्वाभाविक अधिकार है। वहीं मनोवैज्ञानिक लंडी बैनक्रॉफ्ट अपनी पुस्तक 'व्हाय डज़ ही डू दैट?' में लिखते हैं कि हिंसा केवल क्षणिक क्रोध का परिणाम नहीं होती, बल्कि उसके मूल में स्वामित्व, अधिकारबोध और नियंत्रण की मानसिकता छिपी होती है। यही कारण है कि जब कोई स्त्री अपनी स्वतंत्र इच्छा से निर्णय लेती है, असहमति जताती है या किसी संबंध को अस्वीकार करती है, तब पुरुषवादी अहंकार कई बार उसे दंडित करने पर उतारू हो जाता है। इन तमाम असहनीय यातनाओं और सामाजिक उपेक्षाओं के बीच जो बात सबसे अधिक चकित करती है, वह है एसिड अटैक सर्वाइवर्स की अदम्य जिजीविषा। उनकी जिजीविषा पितृसत्तात्मक मानसिकता को आईना दिखाती है। जिन लोगों ने उन्हें तोड़ने, डराने और जीवनभर के लिए समाप्त कर देने का प्रयास किया, वे उनके शरीर को तो घायल कर पाए, पर उनकी आत्मा, उनका साहस और जीने की इच्छा को समाप्त नहीं कर सके। शायद यही उन अपराधियों की सबसे बड़ी हार है कि जिन स्त्रियों को वे भय और पीड़ा के अंधेरे में धकेल देना चाहते थे, वही स्त्रियां आज संघर्ष, आत्मसम्मान और साहस की सबसे मजबूत आवाज बनकर खड़ी हैं। भारतीय एसिड अटैक सर्वाइवर रेशमा कुरैशी इसका एक सशक्त उदाहरण हैं। जिस लड़की के चेहरे को तेजाब से मिटा देने की कोशिश की गई थी, वही रेशमा बाद में न्यूयॉर्क फैशन वीक के रैंप तक पहुंचीं। यह केवल एक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध एक शांत किंतु दृढ़ प्रतिरोध था, जो किसी स्त्री की पहचान को उसके चेहरे तक सीमित समझती है। कुछ ऐसी ही कहानी ब्रिटेन की केटी पाइपर की भी है। एक भयावह एसिड अटैक के बाद लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरने वाली केटी ने स्वयं को केवल एक पीड़िता के रूप में सीमित नहीं होने दिया। अनेक सर्जरी, सामाजिक भय और आत्मसंघर्ष के बाद उन्होंने अपने अनुभवों को लेखन और सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनाया। उनकी पुस्तक 'ब्यूटीफुल' केवल एक आत्मकथा नहीं, बल्कि उस स्त्री की आंतरिक यात्रा है, जिसने अपने टूटे हुए अस्तित्व को धीरे-धीरे फिर से गढ़ा। दरअसल, रेशमा कुरैशी, लक्ष्मी अग्रवाल और केटी पाइपर जैसी महिलाएं अकेली नहीं हैं।

कुछ अलग

दुष्ट संग नहीं देहि विधाता...

रामचरितमानस में तुलसीदास जी स्पष्ट रूप से कह गए हैं कि 'दुष्ट संग नहीं देहि विधाता', लेकिन किया क्या जा सकता है। दुष्टों की भरमार है। जहां जाओ वहीं इसी श्रेणी के लोगों की जमात बैठी हुई है। सज्जन का जीना मुहाल है और दुर्जन गुलाब जामुन खा रहे हैं। परेशान होकर आदमी स्थितियों का पुनरावलोकन करता है और दुष्टों से बचने का प्रयास करता है। हनुमान जी सीता माता की खोज करते हुए लंका में पहुंचे तो उनके मुख से विभीषण का निवास स्थान देखकर यही निकला कि 'यहां कहां सज्जन कर वासा।' वही बत्तीस दांतों के मध्य जीभ वाली स्थिति। जब भी किसी को मंत्रिमंडल में फेरबदल करना पड़ता है, सोचते हैं कुछ भले आदमी मिल जाएंगे, लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात। एक नागनाथ तो दूसरा सांपनाथ। दुष्टों से भला आदमी बच नहीं सकता। प्रभु से यही कामना करता है कि उसे दुष्ट की संगत नहीं मिले। पर यह कैसे संभव हो सकता है। कदम-कदम पर दुष्टता का नंगा तांडव हो रहा है। रक्तबीज की तरह दुष्ट उठ खड़े होते हैं। आफिस में मैं मेरे सात्विक तरीके से काम करता हूं तो वे ही लोग आते हैं- 'आदमी हो या नामर्द, सदैव विनम्रता से झुके रहते हो। तुम्हारी यह विनम्रता हमें पसंद नहीं है, या तो अपना रवैया बदलो वरना ठीक नहीं होगा। आखिर क्यों समय पर आते और जाते हो? क्यों तमाम कार्य का निष्पादन यथासमय कर देते हो। रिश्वत भी नहीं खाते। यह भी कोई जीवन है?' मैंने कहा- 'यह मेरी जीवन शैली है और आप लोग मुझे इस पर बदस्तूर चलने दें। मैं इससे हट नहीं सकता।' लेकिन वे कब मानने वाले थे। बड़ी मुश्किल से उन दुष्टों को चाय-समोसा खिलाकर निजात पाई।

आप का नजरीया

उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की कोशिश

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे न केवल अपने पारंपरिक ढांचे की सीमाओं को पार करना है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित भी करना है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, स्वायत्तता और जवाबदेही को नई दिशा देना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण चरण पर इसका आगमन महज संयोग नहीं है, बल्कि इसे शिक्षा सुधारों की अगली स्वाभाविक और अनिवार्य कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है। तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं। इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है—तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग-अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग-अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास। विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम-आधारित और छात्र-केंद्रित बनाना है। इस विधेयक का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है—वित्तीय सहायता और नियमन के कार्यों का पृथक्करण। पहले यूजीसी अनुदान देने और नियमन दोनों कार्य करता था। नए ढांचे में इन दोनों कार्यों को अलग करने का प्रयास किया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है। पहले पहल यह विधेयक प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है। दूसरा, स्पष्ट मानकों और सुदृढ़ प्रत्यायन प्रणाली के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। तीसरा, यह भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर सकता है, जिससे विदेशी छात्रों और निवेश को आकर्षित किया जा सके। लेकिन चिंताएं यह भी हैं कि इसके माध्यम से अत्यधिक केंद्रीकरण का खतरा है। एक ही संस्था में व्यापक शक्तियां केंद्रित होने से संघीय ढांचे और राज्यों की भूमिका प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, वित्तीय प्रावधानों की अस्पष्टता भी एक गंभीर मुद्दा है, जो विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि नियामक परिषद की शक्तियां अत्यधिक बढ़ जाती हैं, तो संस्थानों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है।

तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं। इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है—तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग-अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग-अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास। विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम-आधारित और छात्र-केंद्रित बनाना है।

दृष्टि कोण

चुनाव परिणाम और भावी राजनीति के संकेत

असम पश्चिमी बंगाल, केरल, पुडुच्चेरी और तमिलनाडु की विधानसभाओं के लिए हुए चुनाव के नतीजे भारत की राजनीति को भीतर तक और दूर तक प्रभावित करने वाले हैं। सबसे पहले तमिलनाडु। तमिलनाडु में 1969 से लेकर 2026 तक द्रविड़ राजनीति का कब्जा रहा। उससे पहले 1947 से 1969 तक कांग्रेस का वर्चस्व था। द्रविड़ राजनीति की शुरुआत जस्टिस पार्टी के रामास्वामी पेरियार ने ब्रिटिश काल में की थी। इस राजनीति का आधार आर्य बनाम द्रविड़, जिसे उत्तर बनाम दक्षिणी कहा जाता है, था। इस सिद्धान्त के अनुसार आर्य यूरोप के थे जिन्होंने मध्य एशिया के रास्ते भारत पर सप्त सिन्धु क्षेत्र से हमला किया था और यहां के स्थानीय निवासियों को पराजित कर दक्षिण में धकेल दिया था। इस आधार पर पेरियार ने मद्रास प्रेसिडेंसी में आर्य बनाम द्रविड़ राजनीति का ताना-बाना बुना था। इस सिद्धान्त का प्रचार अंग्रेजों ने किया था, जिसे कांग्रेस ने स्वीकार कर लिया था। डा. भीमराव रामजी अंबेडकर ने ब्रिटिश काल में ही इस सिद्धान्त का खंडन किया था और बाकायदा इसके लिए एक किताब लिखी थी। लेकिन तब कांग्रेस ने अंबेडकर को अंग्रेजों का पि॒ कहा था। पेरियार से अंबेडकर का इसी विषय को लेकर गहरा मतभेद था। लेकिन पेरियार ने अपनी इस भेदकारी राजनीति को आधार देने के लिए द्रविड़ कडग़म पार्टी का गठन किया। उसके आन्दोलन का मुख्य आधार था कि हिन्दी आर्यों की भाषा है, इसलिए तमिलनाडु में उसे नहीं घुसने दिया जा सकता। लेकिन जब उसने 1949 में 70 साल की आयु में 32 साल की अपनी ही सचिव से शादी कर ली तो जन सामान्य ने इसे उसके नैतिक पतन के तौर पर देखा। इसके कारण उसके शिष्यों ने उससे अलग होकर पार्टी का नाम द्रविड़ मुनेत्र कडग़म यानी डीएमके कर दिया। 1967 में पार्टी ने हिन्दी के विरोध में आन्दोलन चलाया और 1969 के विधानसभा चुनावों में डीएमके की सरकार बनी। बाद में डीएमके के एक हिस्से ने अलग होकर अपना नाम अन्ना डीएमके यानी एडीएमके रख लिया। लेकिन दोनों की राजनीति का आधार आर्य/द्रविड़, हिन्दी विरोध, मंदिर विरोध ही रहा। इस प्रकार 1969 से लेकर 2026 तक डीएमके/एडीएमके का शासन ही रहा। अब पहली बार लगभग 57 साल के बाद तमिलनाडु द्रविड़ राजनीति के इस विभाजनकारी चक्रव्यूह से मुक्त हुआ है। यहां तक कि वहां के मुख्यमंत्री स्टालिन भी हार गए हैं। विजय की नई पार्टी टीवीके जीत गई है। यकीनन इसे तमिलनाडु के एक काले अध्याय का अन्त मानना चाहिए। पुडुच्चेरी 1947 से पहले फ्रांस के अधीन था। लेकिन मूलतः यह क्षेत्र तमिलनाडु का ही हिस्सा है और यहां की भाषा भी तमिल ही है। इसलिए यहां भी द्रविड़ राजनीति का प्रभाव है। यहां भी लम्बे अरसे तक डीएमके/अन्ना डीएमके का शासन रहा। लेकिन पिछले दशक से एन रंगास्वामी ने अपने ही नाम से एन रंगास्वामी कांग्रेस पार्टी का गठन कर भारतीय जनता पार्टी के सहयोग से राजनीति का संचालन किया। इन चुनावों में भी पुडुच्चेरी की तीस सदस्यीय विधानसभा में इन दोनों दलों के गठबंधन ने बहुमत हासिल किया। भारतीय जनता पार्टी के चार विधायक जीते। केरलम में लंबे अरसे से एलडीएफ और यूडीएफ गठबन्धनों का कब्जा है। यूडीएफ का नेतृत्व सोनिया कांग्रेस व मुस्लिम लीग करती हैं और एलडीएफ का नेतृत्व सीपीएम और सीपीआई करती हैं। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के कुछ छोटे दलों को साथ लेकर प्रदेश की राजनीति में तीसरा स्तम्भ स्थापित करने का प्रयास करती रही है। केरलम में पिछले दस साल से एलडीएफ की सरकार है। लेकिन इन चुनावों में सोनिया कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने 140 सदस्यीय विधानसभा में 85 सीटें जीत कर अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया। एलडीएफ में सीपीएम और सीपीआई केवल 34 सीटें जीत सके। भारत में कम्युनिस्टों का यह अंतिम गढ़ भी धराशायी हो गया।

जनगणना से तय होगी विकास योजनाओं की दिशा, मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने की स्वगणना

-हर समाज की सही पहचान के लिए जरूरी है जनगणना : पंचायती राज मंत्री

लखनऊ , (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शुक्रवार को ऑनलाइन माध्यम से जनगणना प्रक्रिया के प्रथम चरण को सफलता पूर्वक पूर्ण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा सही एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या और मकान की गणना भर नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि कई ऐसी जातियां एवं समुदाय हैं, जिनकी सही जानकारी सामने नहीं आ पाती। इससे वे शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। जनगणना के माध्यम से ऐसे समुदायों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और उन्हें जाति आधारित योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सही आंकड़े सरकार को योजनाओं की बेहतर रूपरेखा तैयार करने में मदद करते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जनगणना के आंकड़ों पर आधारित होता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह जनगणना अभियान में सहयोग करे और सही जानकारी उपलब्ध कराए। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि जनगणना समाज के हर वर्ग को पहचान दिलाने का माध्यम है। जब सही जानकारी सरकार तक पहुंचेगी, तभी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच सकेगा। कुछ ऐसे समाज भी हैं जिनकी स्थिति और संख्या की सही जानकारी उपलब्ध नहीं है। जनगणना के माध्यम से उन्हें भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलेगी।

वर्ष 2017 से पहले बदहाल स्थिति में था होमगार्ड विभाग, योगी सरकार ने दिया सम्मान : धर्मवीर प्रजापति

- पिछली सरकारों ने होमगार्ड जवानों को उपेक्षित रखा, ऐतिहासिक फैसले ले रही भाजपा सरकार

मीरजापुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्षों तक सत्ता में रहने वाली सरकारों ने होमगार्ड जवानों को केवल इस्तेमाल किया, लेकिन उनके हितों और सुविधाओं की कभी चिंता नहीं की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पहली बार होमगार्ड जवानों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति शुक्रवार को विंध्याचल के कलना पहाड़ी स्थित परसिया गांव में मंडलीय होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र व कार्यालय का शिलान्यास करने मीरजापुर आए थे। शिलान्यास के उपरांत 'हिन्दुस्थान समाचार' से राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले होमगार्ड विभाग बदहाल स्थिति में था। जवानों को न पर्याप्त सुविधाएं मिलती थीं और न ही उनके भविष्य की कोई चिंता की जाती थी। आज प्रदेश सरकार होमगार्ड विभाग को मजबूत करने के लिए लगातार ऐतिहासिक फैसले ले रही है। वर्ष 1962 के बाद पहली बार 41,426 जवानों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई, जो यह साबित करता है कि सरकार युवाओं और सुरक्षा व्यवस्था दोनों को मजबूत करने के लिए गंभीर है। मंत्री ने कहा कि पहले ड्यूटी के दौरान किसी जवान की मृत्यु होने पर परिवार को मात्र तीन लाख रुपये की सहायता मिलती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया। साथ ही बैंकों से समझौता कर अतिरिक्त 35 लाख रुपये की सहायता सुनिश्चित की गई है। अब किसी हादसे की स्थिति में जवान के परिवार को कुल 40 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल बयानबाजी करता रहा, जबकि हमारी सरकार जमीन पर काम कर रही है। जिन जिलों में होमगार्ड मुख्यालय नहीं थे वहां भवन बन रहे हैं, मंडलीय कार्यालय तैयार किए जा रहे हैं और जवानों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। दैनिक भत्ता और प्रशिक्षण भत्ता भी समान कर दिया गया है, ताकि जवानों का मनोबल बढ़े।

पौधरोपण और जल संरक्षण को बनाएं जनआंदोलन - धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों पर समान रूप से काम कर रही है। उन्होंने लोगों से पौधरोपण और जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध हवा और पानी देना हम सबकी जिम्मेदारी है।

मीरजापुर, सोनभद्र व भदोही के जवानों को मिलेगा आधुनिक प्रशिक्षण - राज्यमंत्री धर्मवीर ने कहा कि नए प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण से विंध्याचल मंडल के मीरजापुर, सोनभद्र और भदोही के होमगार्ड जवानों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रशिक्षण मिल सकेगा। इससे जवानों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और आपदा प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था में उनकी भूमिका और मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि अब तक जवानों को प्रशिक्षण के लिए दूसरे जनपदों में जाना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की दिक्कत होती थी। परसिया गांव में प्रशिक्षण केंद्र बनने से स्थानीय स्तर पर ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

दिव्यांग उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्रवाई होगी : वीरेन्द्र कुमार

कानपुर, (हि.स.)। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 दिव्यांगों को सुरक्षा, सम्मान और संपत्ति का अधिकार देता है। दिव्यांगों के उत्पीड़न और संपत्ति पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कानून में सख्त सजा का प्रावधान है। शिविर में आई शिकायतों को प्रशासन तक पहुंचाकर पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा। यह बातें शुक्रवार को राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कही। शास्त्री नगर स्थित बड़ा सेंट्रल पार्क में राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी की ओर से दिव्यांग उत्पीड़न निवारण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 24 दिव्यांगों ने संपत्ति कब्जा, मारपीट, घरेलू उत्पीड़न और प्रशासनिक अनदेखी से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराईं। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि अधिनियम की धारा-13 दिव्यांगों को संपत्ति पर अधिकार देती है, जबकि धारा-7 शोषण और हिंसा से सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों की संपत्ति पर कब्जा करने या प्रताड़ित करने पर छह महीने से पांच वर्ष तक की जेल और जुमार्ने का प्रावधान है। गीता नगर निवासी नाजमा बानों ने आरोप लगाया कि माता-पिता की मौत के बाद उनके भाई ने मकान बिकवा कर पैसा हड़प लिया और अब उन्हें घर से निकालने की कोशिश की जा रही है। वहीं मछरिया निवासी आफाक अहमद ने हिस्से के मकान पर कब्जे की कोशिश का आरोप लगाया। नेत्रहीन भगवान दास ने बताया कि उनकी दुकान की जगह पर मलबा डलवा दिया गया और शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। घाटमपुर निवासी अरविंद सिंह ने खेत के रास्ते पर कब्जा और विरोध करने पर मारपीट का आरोप लगाया। वहीं बिधनू क्षेत्र की सफाई कर्मचारी प्रमिला यादव ने विभागीय प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई। शिविर में मौजूद लोगों ने प्रशासन से मामलों में त्वरित कार्रवाई की मांग की।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में स्वास्थ्य मंत्री के नाम सांसद को ज्ञापन

फर्रुखाबाद, (हि.स)। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद मुकेश राजपूत के टंडी सड़क स्थित निवास पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दवा की ऑनलाइन बिक्री बंद करने की मांग की है। साथ ही आगामी 20 मई को होने वाले देशव्यापी बंद की अग्रिम सूचना दी। स्वास्थ्य मंत्री को संबोधित दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि दवाओं की ऑनलाइन बिक्री के चलते दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा अन्य और भी समस्याएं हैं। एसोसिएशन का आरोप है कि विभिन्न तरीके से दवा विक्रेताओं को परेशान किया जाता है। कभी किसी धारा को लेकर तो कभी अन्य बात को लेकर दवा विक्रेताओं का मानसिक उत्पीड़न किया जाता है। यह उत्पीड़न बंद होना चाहिए। ज्ञापन में अवगत कराया गया कि यदि मांगें नहीं मानी गई तो आगामी 20 मई को संगठन के बैनर तले दवा व्यवसाय पूरी तरह से देश भर में बंद रहेगा।

बिजली बिलों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए 15 मई से प्रदेश भर में लगाए जाएंगे कैंप

-ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा से मिले मंत्री कपिल देव अग्रवाल, उपभोक्ता हित में फैसले पर जताया आभार

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित कालिदास मार्ग पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट कर स्मार्ट प्री-पेड मीटर व्यवस्था समाप्त कर पोस्टपेड प्रणाली लागू किए जाने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार प्रदेश के करोड़ों विद्युत उपभोक्ताओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार जनहितकारी निर्णय ले रही है। ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने बताया कि स्मार्ट मीटर एवं बिजली बिलों से संबंधित शिकायतों के समाधान हेतु 15 मई से 30 जून 2026 तक प्रदेशभर में अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी कार्यालयों पर विशेष शिकायत निस्तारण कैंप लगाए जाएंगे। प्रत्येक कार्यालय में विशेष हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी, जहां बिल संशोधन एवं तकनीकी शिकायतों का मौके पर समाधान किया जाएगा। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय उपभोक्ताओं को राहत, पारदर्शिता एवं सुविधा प्रदान करने वाला ऐतिहासिक कदम है। योगी सरकार सुशासन, पारदर्शिता एवं जनसुविधा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। भविष्य में भी आम जनता के हित में इसी प्रकार के निर्णय लिए जाते रहेंगे।

खादगड़ा जमीन विवाद: हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर जताई नाराजगी, अवमानना नोटिस जारी

रांची, (हि.स.)। रांची के खादगड़ा शिव दुर्गा मंदिर रोड स्थित मुंडारी प्रकृति की जमीन पर बने 12 घरों को तोड़े जाने के मामले में झारखंड उच्च न्यायालय में शुक्रवार को सुनवाई हुई। मामले में महादेव उरांव द्वारा दायर अवमानना याचिका पर अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए प्रार्थी को अवमानना नोटिस जारी किया है Kमामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत में हुई। अदालत के आदेश के आलोक में प्रतिवादियों (पीड़ितों) की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका पर प्रार्थी महादेव उरांव की ओर से जवाब दाखिल किया गया। प्रार्थी के जवाब से असंतुष्ट अदालत ने कहा कि शपथ पत्र में झूठे तथ्य प्रस्तुत किए गए हैं और न्यायालय को गुमराह करने का प्रयास किया गया है। अदालत ने यह भी कहा कि हस्तक्षेपकताओं से कथित पैसे के लेन-देन की जानकारी छिपाई गई है। इस पर अदालत ने महादेव उरांव से पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना और अन्य फौजदारी कानूनों के तहत कार्रवाई क्यों नहीं की जाए। अदालत ने इस संबंध में उनसे जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने हस्तक्षेपकताओं यानी पीड़ित परिवारों को पूर्व में दी गई अंतरिम राहत को अगले आदेश तक जारी रखने का निर्देश दिया। इसके तहत उनके खिलाफ किसी प्रकार की पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 19 जून को होगी। हस्तक्षेपकताओं की ओर से अधिवक्ता गौरव राज ने पक्ष रखा। पूर्व की सुनवाई में हेहल अंचल कार्यालय की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया था। इसमें बताया गया था कि हस्तक्षेपकताओं को तीन बार नोटिस जारी किया गया, लेकिन उन्होंने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। इसके बाद संरचनाओं को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए पूछा था कि केवल कब्जा हटाने के बजाय मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई क्यों की गई। अदालत ने यह भी सवाल उठाया था कि रिट याचिका दायर करते समय हस्तक्षेपकताओं से एग्रीमेंट और पैसे लेने की बात क्यों छिपाई गई। यह मामला सुखदेवनगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने खादगड़ा शिव दुर्गा मंदिर रोड स्थित मुंडारी प्रकृति की जमीन पर बने 12 मकानों को तोड़ने का आदेश दिया था। इसके बाद बुलडोजर कार्रवाई शुरू की गई, जिसका स्थानीय निवासियों ने विरोध किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने प्रति कट्ठा 5.25 लाख रुपये की दर से जमीन खरीदी थी और वर्षों से वहां घर बनाकर रह रहे हैं। लोगों के अनुसार, 38.25 डिसमिल जमीन के लिए उन्होंने कुल लगभग 1 करोड़ 8 लाख 93 हजार 750 रुपये का भुगतान किया था, लेकिन अब उन्हें बेदखल किया जा रहा है।

टेंडर घोटाला मामला: अभियंता राम पुकार राम ने ईडी अदालत में किया आत्मसमर्पण, मिली जमानत

रांची, (हि.स.)। झारखंड में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता राम पुकार राम ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। राम पुकार राम पर टेंडर घोटाले में शामिल होने का आरोप है। आत्मसमर्पण के बाद विशेष अदालत ने उन्हें जमानत दे दी। अदालत ने एक लाख रुपये के मुचलके और देश नहीं छोड़ने की शर्त पर जमानत मंजूर की है। उल्लेखनीय है कि ईडी की अदालत ने इस मामले में उन सभी 15 आरोपितों को समन जारी किया है, जिनके नाम ईडी की चार्जशीट में शामिल हैं। सभी पर टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग में संलिप्त होने के आरोप लगाए गए हैं। इससे पहले भी कई आरोपित आत्मसमर्पण के बाद जमानत प्राप्त कर चुके हैं। ईडी ने इस मामले में पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनके ओएसडी संजीव लाल तथा घरेलू सहायक जहांगीर आलम के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। गौरतलब है कि 6 मई 2024 को ईडी ने रांची में बड़े पैमाने पर छापेमारी की थी। इस दौरान संजीव लाल के सहायक जहांगीर आलम के आवास से करीब 32.2 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए थे। वहीं, संजीव लाल के घर से 10.5 लाख रुपये और सचिवालय स्थित उनके कार्यालय से 2.3 लाख रुपये बरामद हुए थे। जांच एजेंसी ने एक डायरी भी जब्त की थी, जिसमें कथित तौर पर कमीशन के लेन-देन का विवरण दर्ज था।

पानी संकट पर भाजपा का प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी : बुधराम लागुरी

पश्चिमी सिंहभूम, (हि.स.)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने चाईबासा में पानी संकट को लेकर भाजपा द्वारा किए गए प्रदर्शन को राजनीतिक नौटंकी बताया है। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि भाजपा जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के बजाय केवल दिखावटी आंदोलन कर रही है। बुधराम लागुरी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेयजल संकट की समस्या भाजपा शासनकाल से चली आ रही है, लेकिन उस दौरान इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। अब राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस व्यवस्था को सुधारने का काम कर रहे हैं। झामुमो की ओर से जारी बयान में कहा गया कि राज्य सरकार गांव-गांव तक पेयजल सुविधा पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कई क्षेत्रों में पाइपलाइन विस्तार, जलमीनार निर्माण और खराब चापाकलों की मरम्मत का कार्य चल रहा है। इसके बावजूद भाजपा जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। बुधराम लागुरी ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण राज्यों को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त सहयोग नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब केंद्र में भाजपा की सरकार है, तो झारखंड को पेयजल योजनाओं के लिए अतिरिक्त सहायता क्यों नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन, ग्रामीण विकास और सड़क निर्माण जैसी योजनाओं की राशि समय पर नहीं मिलने से कई परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। झामुमो ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विभिन्न योजनाओं का बकाया फंड समय पर जारी नहीं किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि इससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और गरीब, किसान, मजदूर तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोग सबसे अधिक परेशान हैं। बुधराम लागुरी ने कहा कि भाजपा एक ओर राज्य सरकार पर वित्तीय संकट का आरोप लगाती है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार फंड रोककर राज्य की आर्थिक स्थिति को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने दावा किया कि झारखंड की जनता सब देख रही है और आने वाले समय में भाजपा को इसका जवाब मिलेगा।

शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) के अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़कर पीटा

पटना, (हि.स.)। पटना में शुक्रवार को शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) के अभ्यर्थियों को पुलिस ने सड़कों पर दौड़ा-दौड़कर पीटा है। इस दौरान कई के सिर फटे हैं। आज सुबह 10 बजे अभ्यर्थियों वैकेंसी जारी करने की मांग को लेकर पटना कॉलेज से निकले थे। अभ्यर्थी बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन (बीपीएससी) ऑफिस तक मार्च निकाल रहे थे। पुलिस ने जेपी गोलंबर पर सभी को बैरिकेडिंग कर के रोका था। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस प्रदर्शन में करीब 5 हजार अभ्यर्थियों शामिल हुए थे। लाठीचार्ज से पहले पुलिस ने अभ्यर्थियों को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। अभ्यर्थियों बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इसके बाद पुलिस ने सीधे लाठीचार्ज कर दिया। छात्र नेता दिलीप ने बातचीत में कहा कि अभ्यर्थियों को बरगलाया जा रहा है। बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि टीआरई-4 का विज्ञापन तीन-चार दिनों में जारी कर दिया जाएगा और 25-26 अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अब 8 मई हो चुका है और अभी तक विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने इस बाबत बातचीत में कहा कि, हम सबको मिलकर बिहार को बदलना है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनकी समस्या का जल्द सामाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, बिहार के हर लोगों को शिक्षित करना है। उल्लेखनीय है कि टीआरई-4 के तहत कुल 46,595 पदों पर भर्ती की जाएगी। बिहार लोक सेवा आयोग को इसके लिए अधियाचना पिछले फरवरी महीने में ही मिल चुकी थी। जिसे शिक्षा विभाग की ओर से वापस ले लिया गया और इसे वार्षिक कैलेंडर में भी शामिल कर लिया गया है।

बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मंत्रियों ने संभाला कार्यभार

-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरी निष्ठा से निभाऊंगा: निशांत कुमार

पटना, (हि.स.)। बिहार में सम्राट चौधरी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद शुक्रवार को कई मंत्रियों ने अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभाला। इस दौरान नए मंत्रियों ने विभागीय कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया और अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। इसी क्रम में दीपक प्रकाश ने पंचायती राज विभाग का कार्यभार संभाला, जबकि अशोक चौधरी ने खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा केदार प्रसाद गुप्ता ने पर्यटन विभाग, मदन सहनी ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग तथा नंदकिशोर राम ने पशुपालन विभाग का पदभार ग्रहण किया। वहीं श्रवण कुमार ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। साथ ही डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने भी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार ने स्वास्थ्य विभाग का कार्यभार संभालते ही राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता बिहार में सभी लोगों को समान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना होगा। निशांत कुमार ने कहा, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है, उसे मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि उनके पिता नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार में, विशेषकर स्वास्थ्य क्षेत्र में, जो कार्य किए हैं, उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद वह पहले विभागीय कार्यों को समझने और सीखने पर ध्यान देंगे, उसके बाद स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए बड़े फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आम लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने और जनता का विश्वास हासिल करने के लिए पूरी मेहनत और ईमानदारी से काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात भी की। वर्तमान मंत्रिमंडल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 15, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के 13, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 2, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के 1 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रोलोमो) के 1 मंत्री शामिल हैं।

शराबबंदी कानून को और सख्ती से लागू किया जाएगा : मदन सहनी

पटना, (हि.स.)। बिहार सरकार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कोटे से मध्य निषेध विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद शुक्रवार को मंत्री मदन साहनी ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट रुप से कहा कि राज्य में शराबबंदी कानून को और सख्ती से लागू किया जाएगा। मंत्री ने बातचीत में स्वीकार किया कि बिहार में अभी भी अवैध शराब का कारोबार पूरी तरह बंद नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि- हम तो पहले ही बता चुके हैं यह कोई साधारण काम नहीं हैं और इसको रोकना सबका फर्ज है।जब कानून बना हुआ है तो उसका पालन होना चाहिए, अब इसको पालन करवाना है लेकिन इसको पालन करवाने में हमलोग पूरी तरह से सफल नहीं हुए हैं। मदन सहनी ने कहा कि राज्य के बाहर से शराब की तस्करी और बिहार में चोरी-छिपे शराब का निर्माण सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। इन गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विभाग अब और अधिक सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाई जाएगी और पुलिस व उत्पाद विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर बड़े अभियान चलाए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि नई जिम्मेदारी मिलने के बाद उनकी प्राथमिकता होगी कि शराब तस्करी पर पूरी तरह लगाम लगे और अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जिस विभाग की जिम्मेदारी मिली है, वह बिहार सरकार के सबसे महत्वपूर्ण विभागों में से एक है। उन्होंने कहा कि उनकी पूरी कोशिश होगी कि विभाग में जहां भी कमियां हैं, उन्हें दूर किया जाए और कानून को प्रभावी ढंग से लागू कराया जाए।

एलजी का मेगा 2026 धमाका : अब भारत से दुनिया को जाएगी ठंडक, 22 देशों को एक्सपोर्ट होंगे मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स

एआई वाली वॉशिंग मशीन और बिना नल वाला जादुई फ्रिज लॉन्च; नोएडा बना ग्लोबल हब

नोएडा

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी एलजी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करते हुए वर्ष 2026 के लिए अपना फ्यूचर-रेडी होम अप्लायंसेज पोर्टफोलियो पेश कर दिया है। नोएडा में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने अपनी प्रसिद्ध 'एसेंशियल सीरीज के विस्तार के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक पर आधारित प्रीमियम वॉशिंग मशीन और अत्याधुनिक फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज से पर्दा उठाया। एलजी की यह नई पहल न केवल प्रीमियम श्रेणी के ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए है, बल्कि इसके जरिए आधुनिक तकनीक को किफायती-प्रीमियम श्रेणी में लाकर मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुँचाना भी कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

इस लॉन्च की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी एलजी का 'मेक-इन-इंडिया से 'मेक-इंडिया-ग्लोबल की ओर बढ़ता कदम है। कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि भारत अब उनके लिए केवल एक बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विनिर्माण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। इसी रणनीतिक बदलाव के तहत नोएडा और पुणे के कारखानों में निर्मित इन विश्वस्तरीय उत्पादों को साल 2026 तक एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के 22 प्रमुख देशों में निर्यात किया जाएगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रबंध निदेशक होंग जू जीयोन ने इस अवसर पर कहा कि उनका ध्येय ऐसी तकनीक प्रदान करना है जो भारतीय जीवनशैली को सरल और स्मार्ट बनाने के साथ-साथ वैश्विक मानकों पर भी खरी उतरे।

तकनीक के मोर्चे पर कंपनी ने कई फर्स्ट-इन-सेगमेंट फीचर्स पेश किए हैं जो उपभोक्ताओं के घरेलू कामों को बेहद आसान बना देंगे। कंपनी ने भारत का पहला ऐसा फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर पेश किया है जो बिना किसी बाहरी नल कनेक्शन या प्लंबिंग के ही ऑटो आइस मेकर की सुविधा प्रदान करता है। वहीं लॉन्ड्री सेगमेंट में एआई डीडी 2.0 तकनीक को शामिल किया गया है, जो कपड़ों के वजन और उनके फैब्रिक की कोमलता को स्वयं पहचानकर सबसे सटीक धुलाई चक्र का चयन करने में सक्षम है।

न्यूज़ ब्रीफ

लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सन का नया वेरिएंट लाने की तैयारी

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सन का एक नया वेरिएंट लाने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस लग्जरी फीचर को मध्यम वर्ग के ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके और यह अपेक्षाकृत कम कीमत में उपलब्ध होगा। यह नया माडल पैनोरमिक सनरूफ जैसी प्रीमियम सुविधा के साथ आएगा, जिसे अब तक केवल महंगे वाहनों में ही देखा जाता था। माना जा रहा है कि इस नए वेरिएंट की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत लगभग 9.49 लाख रुपये हो सकती है, जिससे यह अपने सेगमेंट में एक आकर्षक विकल्प बन जाएगा। वर्तमान में, टाटा नेक्सन में सिंगल पेन सनरूफ का विकल्प उपलब्ध है, लेकिन पैनोरमिक सनरूफ के साथ ग्राहकों को अधिक खुला और प्रीमियम अनुभव मिलेगा। यह नया वेरिएंट पेट्रोल, डीजल और सीएनजी तीनों इंजन विकल्पों में पेश किया जा सकता है, जिससे ग्राहक अपनी पसंद और बजट के अनुसार चुनाव कर सकेंगे। टाटा नेक्सन पहले से ही अपनी मजबूत सुरक्षा और आधुनिक फीचर्स के लिए जानी जाती है, जिसमें एयरबैग, इलेक्ट्रानिक स्थिरता नियंत्रण (ईएससी), चाइल्ड सीट एंकरिंग, पार्किंग सेंसर और हिल होल्ड जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एलईडी हेडलाइट्स, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और मल्टी ड्राइव मोड जैसी तकनीकी खासियतें भी इसे बाजार में लोकप्रिय बनाती हैं।

बजाज आटो ने किया एवेंजर 160 स्ट्रीट माडल का उत्पादन बंद

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एवेंजर मोटरसाइकिल श्रृंखला में बदलाव करते हुए बजाज आटो ने एवेंजर 160 स्ट्रीट माडल का उत्पादन बंद कर दिया है। वहीं कंपनी ने एवेंजर 220 स्ट्रीट को दोबारा बाजार में उतारने का फैसला किया है।

इस बाइक को वर्ष 2020 में बंद कर दिया गया था। कंपनी के इस कदम के साथ ही, बजाज एवेंजर श्रृंखला से 160 सीसी इंजन का विकल्प पूरी तरह समाप्त हो गया है, जो कंपनी की क्रूजर लाइनअप को अधिक प्रीमियम और शक्तिशाली बनाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। नई एवेंजर 220 स्ट्रीट में वही 220 सीसी का आयल-कूल्ड इंजन मिलेगा, जो एवेंजर 220 क्रूज माडल में भी दिया जाता है। यह इंजन लगभग 19 अश्वशक्ति की अधिकतम ताकत और 17.6 न्यूटन मीटर का पीक टार्क पैदा करने में सक्षम है। इसे पांच स्पीड गियरबाक्स के साथ जोड़ा गया है, जो लंबी दूरी की यात्राओं के लिए बेहतर प्रदर्शन और आरामदायक अनुभव प्रदान करेगा। बंद हुई एवेंजर 160 स्ट्रीट की तुलना में, नया 220 सीसी माडल कहीं अधिक शक्तिशाली होगा। डिजाइन के मामले में, नई 220 स्ट्रीट अपने पुराने माडल जैसी ही दिखेगी, जिसमें एक आकर्षक ब्लैक थीम, एलाय व्हील्स और क्रूजर बाइक का विशिष्ट लुक शामिल होगा।

एमपीवी ग्रेवाइट का नया सीएनजी वेरिएंट लान्च

नई दिल्ली। निसान ने भारतीय बाजार में अपनी काम्पैक्ट एमपीवी (मल्टी-पर्पस व्हीकल) ग्रेवाइट का नया सीएनजी वेरिएंट लान्च कर दिया है। इस माडल को निसान ने अपनी डीलरशिप्स पर सीएनजी किट के साथ पेश किया है इस वेरिएंट में ट्विन सिलेंडर तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसका मतलब है कि इसमें दो छोटे सीएनजी सिलेंडर दिए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 25-25 लीटर पानी के बराबर है। इस तकनीक से वाहन के बूट स्पेस में सामान रखने के लिए पर्याप्त जगह बनी रहती है, जो अक्सर सिंगल बड़े सिलेंडर वाले सीएनजी वाहनों में एक समस्या होती है। निसान ग्रेवाइट में एक लीटर क्षमता वाला पेट्रोल इंजन मिलता है, जो सीएनजी पर चलने के लिए अनुकूलित किया गया है। यह इंजन 72 पीएस की पावर और 96 न्यूटन मीटर का टार्क पैदा करता है। इसमें मैनुअल और आटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्प उपलब्ध हैं, हालांकि सीएनजी वेरिएंट आमतौर पर मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ ही आते हैं। फीचर्स के मामले में, यह एमपीवी काफी आधुनिक है, जिसमें एलईडी लाइट्स, क्रूज कंट्रोल, छह एयरबैग, एबीएस (एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम), ईबीडी (इलेक्ट्रानिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन), ट्रैक्शन कंट्रोल और इलेक्ट्रानिक स्थिरता नियंत्रण (ईएससी) जैसी महत्त्वपूर्ण सुरक्षा और सुविधाएँ शामिल हैं। कंपनी इस एमपीवी पर तीन साल या एक लाख किलोमीटर तक की वारंटी दे रही है, जिसे ग्राहक बढ़ाकर दस साल या दो लाख किलोमीटर तक कर सकते हैं।

साइबर सुरक्षा में एयरटेल का बड़ा कदम ; हाइब्रिड दफ्तरों के लिए देश का पहला यूनिफाइड ज़ीरो ट्रस्ट समाधान लान्च

कंपनियों के सुरक्षा खर्च में होगी 30प्रतिशत तक की बचत; एआई-संचालित हमलों से निपटने के लिए बनाया अभेद्य कवच

नई दिल्ली

एआई-संचालित साइबर हमलों के बढ़ते खतरों और जटिलताओं के बीच, भारती एयरटेल की बी2बी इकाई एयरटेल बिजनेस ने एयरटेल सिक्योर वर्कफोर्स लान्च किया है। यह हाइब्रिड माडल पर काम करने वाले उद्यमों के लिए भारत का पहला पूर्णतः प्रबंधित और एकीकृत जीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर सुरक्षा समाधान है। वर्ष 2025 में दर्ज हुई 20 लाख से अधिक साइबर सुरक्षा घटनाओं को देखते हुए, यह प्लेटफार्म उद्यमों के लिए एंड-टू-एंड और नियमों के अनुरूप सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराता है।

एयरटेल बिज़नेस के सीईओ शरत सिन्हा ने बताया कि यह समाधान न केवल सुरक्षित कनेक्टिविटी प्रदान करता है, बल्कि उद्यमों के साइबर सुरक्षा खर्च में 30 प्रतिशत तक की कमी भी सुनिश्चित करेगा। एयरटेल के 24×7 विशेषज्ञों की निगरानी और राष्ट्रीय स्तर की सुरक्षा विशेषज्ञता संगठनों को अपने स्वयं के सुरक्षा बुनियादी ढांचे को चलाने के परिचालन बोझ से मुक्त करेगी, जिससे वे अपने मुख्य व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अनुपालन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह समाधान उपयोगकर्ताओं, उपकरणों और नेटवर्क के हर टच पाइंट को सुरक्षित करता है। इसका एकीकृत डैशबोर्ड उद्यमों को उनके पूरे नेटवर्क और डेटा का एक ही जगह पर सिंगल व्यू प्रदान करता है। इसके साथ ही, एयरटेल ने सेंटर आफ एक्सीलेंस का भी अनावरण किया है, जहाँ उद्यम इस अभेद्य सुरक्षा प्रणाली का लाइव अनुभव ले सकेंगे।

टोयोटा ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल स्कूटर के लिए पेटेंट किया दाखिल

नई दिल्ली। जापानी आटोमोबाइल दिग्गज टोयोटा ने एक हाइड्रोजन फ्यूल सेल स्कूटर के लिए पेटेंट दाखिल किया है। दावा किया जा रहा है कि यह स्कूटर एक बार फुल टैंक होने पर लगभग 200 किलोमीटर तक की प्रभावशाली रेंज प्रदान कर सकेगा। इस स्कूटर की एक और खासियत यह है कि यह पेट्रोल पर भी चलने में सक्षम होगा, जिससे यह हाइब्रिड क्षमता वाला एक अनूठा दोपहिया वाहन बन जाएगा। टोयोटा का यह नया हाइड्रोजन स्कूटर सुजुकी बर्गमैन 400 के पुराने माडल पर आधारित बताया जा रहा है। गौरतलब है कि टोयोटा और सुजुकी पहले से ही हाइड्रोजन स्माल मोबिलिटी और इंजन तकनीक पर मिलकर काम कर रही हैं, और यह नया स्कूटर इसी सहयोग का परिणाम हो सकता है। कंपनी के पेटेंट दस्तावेजों के अनुसार, स्कूटर में हाइड्रोजन टैंक को फ्लोरबोर्ड के नीचे कुशलता से लगाया जा सकता है। यह टैंक स्वैपेबल होगा, यानी इसे आसानी से निकाला और बदला जा सकेगा, जिससे उपयोगकर्ताओं को गैस स्टेशन पर लंबे समय तक रुकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। टोयोटा ने टैंक निकालने के लिए दो अलग-अलग तकनीकों पर भी काम किया है, ताकि सुरक्षा और सुविधा दोनों सुनिश्चित की जा सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर्यावरण के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इससे प्रदूषण लगभग शून्य होता है और इसका एकमात्र उप-उत्पाद पानी होता है। यदि हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से किया जाए, तो यह पूरी तरह स्वच्छ ईंधन का विकल्प बन सकता है। हालांकि, शुरुआती दौर में ऐसे स्कूटर महंगे हो सकते हैं और सीमित संख्या में ही बाजार में उतारे जा सकते हैं।

अप्रैल में टीवीएस ने की इलेक्ट्रिक स्कूटर की सर्वाधिक बिक्री

नई दिल्ली

अप्रैल 2026 के बिक्री आंकड़ों ने इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एक बड़ा उलटफेर दिखाया है। इस महीने टीवीएस मोटर कंपनी ने बिक्री के मामले में पहला स्थान हासिल किया है। टीवीएस को पिछले महीने 37,661 नए ग्राहक मिले, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 96 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्शाता है। इस दमदार प्रदर्शन के साथ टीवीएस इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में सबसे ज्यादा बिक्री करने वाली कंपनी बन गई है।

बिक्री की दौड़ में दूसरे स्थान पर बजाज आटो रही, जिसने अप्रैल महीने में 32,883 इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचे और सालाना आधार पर 72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। तीसरे स्थान पर एथर एनर्जी रही, जिसने 27,024 यूनिट्स की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुनी थी। हीरो मोटोकार्प की इलेक्ट्रिक ब्रांड विडा ने 15,230 स्कूटर बेचकर चौथे स्थान पर कब्जा जमाया और 148 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक, जो लंबे समय तक बाजार में शीर्ष स्थान पर थी, इस बार पांचवें नंबर पर खिसक गई। ओला की बिक्री में 39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और कंपनी केवल 12,166 यूनिट्स ही बेच पाई। छठे स्थान पर ग्रीव्स इलेक्ट्रिक रही जिसने 6,884 स्कूटरों की बिक्री की।

सातवें स्थान पर रिवर मोबिलिटी ने 302 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त के साथ 3,198 यूनिट्स बेचीं, जबकि आठवें नंबर पर बीगास आटो ने 3,065 ग्राहकों को अपने साथ जोड़ा, जिसकी बिक्री में 133 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। नौवें स्थान पर सिंपल एनर्जी रही जिसने 1,188 स्कूटर बेचे। वहीं, बाउंस इलेक्ट्रिक दसवें नंबर पर रही, जिसने 1,077 यूनिट्स की बिक्री की और सबसे अधिक वृद्धि दर दर्ज की, पिछले साल के 64 स्कूटरों की तुलना में कई गुना उछाल आया।

पल्सर ब्रांड के दम पर बजाज आटो का बड़ा दांव

मुंबई। बजाज आटो अपने पल्सर ब्रांड पर बड़ा दांव लगा रहा है। कंपनी वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में 125 सीसी और 150-250 सीसी श्रेणियों में नई मोटरसाइकिलें लान्च करने की तैयारी में है, ताकि त्योहारी सीजन की तेजी का लाभ उठाया जा सके। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार ये माडल मुख्य रूप से पल्सर ब्रांड के तहत होंगे। हाल के महीनों में पल्सर की बिक्री और लोकप्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 के बीच पल्सर एन और एनएस श्रृंखला में 8-10 नए माडल पेश किए गए, जो अब 150 सीसी से अधिक क्षमता वाली श्रेणी में बजाज की कुल बिक्री के 50 फीसदी से अधिक हैं। वित्त वर्ष 26 में, 150-200 सीसी श्रेणी, जो पल्सर का मुख्य क्षेत्र है, देश के बाजार में 37.5% बढ़कर 15.1 लाख इकाई हुई। इस श्रेणी में बजाज की अपनी बिक्री 61.5 फीसदी बढ़ी, जो बाजार औसत से अधिक है। कंपनी वित्त वर्ष 27 में भी नए माडल पेश करने का सिलसिला जारी रखेगी।

सोना 800 रुपए महंगा, चांदी भी 3,300 रुपए उछली, सोना 1,53,100 के पार पहुंचा

नई दिल्ली

सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार के कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार खुलते ही चांदी के भाव 3,300 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए, जबकि सोने की कीमत में भी 800 रुपये से अधिक की वृद्धि देखने को मिली, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। एमसीएक्स पर 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी ने मजबूत शुरुआत की। पिछले सत्र में 2,58,540 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद होने के बाद, यह 2,59,999 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 3,271 रुपये की तेजी के साथ 2,61,811 रुपये तक पहुंच गई। सुबह शुरुआत में यह 2,523 रुपये की बढ़त के साथ 2,61,063 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

इसी तरह 5 जून की डिलीवरी वाले सोने की कीमतों में भी उछाल आया। पिछले सत्र में 1,52,261 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद होने के बाद, यह 1,52,672 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 842 रुपये की तेजी के साथ 1,53,103 रुपये तक पहुंचा। सुबह शुरुआत में 576 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,837 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। हाजिर बाजार का मिलाजुला रुख: हालांकि, हाजिर सर्राफा बाजार में सोने की चाल एमसीएक्स के विपरीत रही। 24 कैरेट सोना 320 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,680 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं 22 कैरेट सोना 300 रुपये गिरकर 1,39,950 रुपये और 18 कैरेट सोना 240 रुपये की कमी के साथ 1,14,510 रुपये पर आ गया। दूसरी ओर, हाजिर चांदी में 5,000 रुपये की बड़ी तेजी दर्ज की गई और यह 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

पश्चिम बंगाल फिर बनेगा व्यापार, उद्योग और रोजगार का शक्तिशाली केंद्रः खंडेलवाल

कहा-व्यापारी जगत को भाजपा सरकार में दिखी नई उम्मीद की किरण

नई दिल्ली

देश की राजधानी नई दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद तथा कान्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल का व्यापार एवं उद्योग जगत अब राज्य में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनने जा रही भाजपा सरकार के साथ नई आशा और विश्वास से भरा हुआ है।

खंडेलवाल ने कहा, अब समय आ गया है कि पश्चिम बंगाल में अब विश्वास बहाल हो, उद्योगों को नई ऊर्जा मिले और राज्य फिर से विकास एवं समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुए। बंगाल में लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म हुआ, क्योंकि ममता बनर्जी को धूल चटाने वाले शुभेंदु अधिकारी राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। कोलकाता में हुई विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में उनके नाम पर अंतिम मुहर लग गई है।

कैट महामंत्री ने आगे कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में उद्योग, व्यापार, एमएसएमई, पारंपरिक कारोबार और उद्यमिता को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नीति अस्थिरता, निवेशकों का घटता विश्वास, उद्योगों का पलायन, सिंडिकेट संस्कृति, प्रशासनिक दबाव और कमजोर औद्योगिक वातावरण ने बंगाल की ऐतिहासिक औद्योगिक पहचान को कमजोर किया इसीलिए इस बार के चुनावों में डर और दहशत के माहौल से बाहर निकल कर बंगाल में व्यापारी वर्ग ने खुलकर भाजपा का समर्थन किया।

खंडेलवाल ने कहा की एक समय देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में गिने जाने वाला पश्चिम बंगाल आज निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास की दौड़ में पीछे चला गया है। हजारों एमएसएमई इकाइयां बंद हुईं या अन्य राज्यों में स्थानांतरित हो गईं। व्यापारियों, छोटे उद्योगों, कारीगरों और पारंपरिक क्षेत्रों को पर्याप्त संरक्षण एवं प्रोत्साहन नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से चाय, जूट, हैंडलूम, चमड़ा, मिठाई उद्योग और छोटे व्यापार से जुड़े लाखों लोगों को बढ़ती लागत, जटिल नियमों और कमजोर बुनियादी ढांचे का सामना करना पड़ा। छेना आधारित मिठाइयों पर जीएसटी ने भी पारंपरिक मिठाई उद्योग पर अतिरिक्त बोझ डाला।

कैट के कार्यकारी चेयरमैन तथा बंगाल के प्रसिद्ध उद्योगपति सुभाष अग्रवाला ने कहा की व्यापार जगत का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के वोकल फार लोकल , मेक इन इंडिया , स्टार्टअप इंडिया और ईज आफ डूइंग बिजनेस के विजन के अनुरूप यदि पश्चिम बंगाल में पारदर्शी एवं उद्योग समर्थक शासन स्थापित होता है, तो राज्य पुन: पूर्वी भारत का सबसे बड़ा व्यापार एवं औद्योगिक केंद्र बन सकता है।

उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के व्यापार एवं उद्योग जगत प्रमुख रूप से अब बंगाल में निवेशक अनुकूल औद्योगिक नीति, बिजली शुल्क एवं टैरिफ में राहत, एमएसएमई और स्टार्टअप को प्रोत्साहन, व्यापार एवं उद्योगों के लिए सरल नियम एवं सिंगल विंडो सिस्टम, लाजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं औद्योगिक कारिडोर का विकास, पारंपरिक उद्योगों एवं कारीगरों को संरक्षण तथा छेना आधारित मिठाइयों पर जीएसटी राहत की उम्मीद कर रहा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा की बंगाल में व्यापारियों का विश्वास है कि मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों और विकासोन्मुखी शासन के माध्यम से पश्चिम बंगाल एक बार फिर व्यापार, उद्योग, निर्यात और रोजगार का बड़ा केंद्र बन सकता है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय का इंतजार खत्म हुआ। ममता बनर्जी को धूल चटाने वाले शुभेंदु अधिकारी राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

मुम्बई

भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है। टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं। दूसरी ओर सूर्या ने अगले दो साल तक कप्तान बने रहने की इच्छा जाहिर की है पर बीसीसीआई उन्हें शायद ही अवसर दे।

वहीं श्रेयस अय्यर की कप्तानी बेहतर होती जा रही है। पिछले आईपीएल सीजन में उन्होंने पंजाब किंग्स को शानदार तरीके से फाइनल तक पहुंचाया था, और आईपीएल 2026 में भी उनका प्रदर्शन अब तक जबरदस्त रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एस्टन विला ने नाटिंघम फारेस्ट को रौंदकर यूरोपा लीग फाइनल में बनाई जगह

बर्मिंघम। एस्टन विला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को नाटिंघम फारेस्ट को 4-0 से हराकर यूरोपा लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। दो चरणों के सेमीफाइनल में एस्टन विला ने कुल 4-1 से जीत दर्ज की। अब फाइनल में एस्टन विला का सामना फ्राइबर्ग से 20 मई को इस्तांबुल में होगा। फ्राइबर्ग ने दूसरे सेमीफाइनल में ब्रागा को 3-1 से हराकर कुल 4-3 से मुकाबला अपने नाम किया। पहले चरण में 0-1 से पिछड़ने के बाद कोच उनाई एमरी की टीम ने घरेलू मैदान विला पार्क में आक्रामक शुरुआत की। मैच के 36वें मिनट में ओली वाटकिंस ने एमिलियानो बुएंदिया के शानदार मूव के बाद आसान गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 58वें मिनट में एमिलियानो बुएंदिया ने पेनल्टी पर गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। नाटिंघम के खिलाड़ी निकोला मिलेंकोविच द्वारा पाउ टोरेस की जर्सी खींचने पर रेफरी ने पेनल्टी दी थी। इसके बाद कप्तान जान मैकगिन ने 77वें और 80वें मिनट में लगातार दो गोल कर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनके गोल के बाद स्टेडियम में मौजूद करीब 43 हजार दर्शक खुशी से झूम उठे। मुकाबला देखने पहुंचे ब्रिटेन के प्रिंस विलियम भी एस्टन विला की जीत का जश्न मनाते नजर आए। एस्टन विला ने 1982 में यूरोपीय चैंपियन का खिताब जीता था, जबकि टीम ने आखिरी बार 1996 में लीग कप जीतकर कोई बड़ी ट्राफी अपने नाम की थी। अब चार बार यूरोपा लीग जीत चुके उनाई एमरी की नजर इमलिश क्लब के साथ पहली बार यह खिताब जीतने पर होगी।

मार्श-प्रिंस के शानदार प्रदर्शन से लखनऊ ने आरसीबी को हराकर प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखीं

लखनऊ। मिचेल मार्श और प्रिंस यादव के अच्छे प्रदर्शन से लखनऊ सुपर जायंट्स ने यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को हराकर प्लेआफ के लिए अपनी उम्मीदें बराकरार रखीं है। सुपर जायंट्स को लगातार छह हार के बाद ये जीत मिली है। बारिश से बाधित इस मैच में सुपर जायंट्स ने आरसीबी को 9 रनों से हरा दिया। इस मैच में जहां मिचेल ने शतक लगाया। वहीं प्रिंस ने चार ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए बारिश के कारण यह मुकाबला 19-19 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने मार्श के शतक से तीन विकेट पर 209 रन बनाये। मार्श ने केवल 56 गेंदों में 9 चौकों और 9 छक्कों की सहायता से 111 रन बनाए। वहीं आरसीबी की तरफ से जोश हेजलवुड, रसिख सलाम और एक अन्य गेंदबाज ने एक-एक विकेट लिया। इससे बाद आरसीबी को 19 ओवर में जीत के लिए 213 रनों का लक्ष्य दिया गया पर वह 203 रन ही बना पायी। लक्ष्य का पीछ्का करते हुए आरसीबी की टीम प्रिंस की गेंदबाजी के साथ ने टिक नहीं पायी। प्रिंस ने विराट कोहली को अपनी पहली ही गेंद पर आउट कर जो दबाव बनाया उसके सामने आरसीबी बिखर गयी।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम में जैमीसन, ओरूर्के की वापसी, फाक्सक्राफ्ट को पहली बार मिला अवसर

आकलैंड

तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और विल ओरूर्के की आयरलैंड ओर और इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में वापसी हुई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार आयरलैंड के खिलाफ टीम एक टेस्ट मैच और इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए 19 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। टाम लैथम दोनों सीरीज में न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि टाम ब्लंडेल विकेटकीपर होंगे। इस टीम में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के अनकैप्ड आलराउंडर डीन फाक्सक्राफ्ट को पहली बार शामिल किया गया है। आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र चार य टेस्ट इसी महीने की 27 तारीख से खेला जाएगा।

चयन समिति ने इंग्लैंड के हालातों का देखते हुए इस दौरे के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण पर जोर दिया है। इसी कारण मैट हेनरी, जैक फ़ाल्केस, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को भी तेज गेंदबाजों के दल में जगह मिली है। माइकल रे और अनकैप्ड क्रिस्टियन क्लार्क केवल आयरलैंड के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध होंगे, जबकि बेन सियर्स इंग्लैंड दौरे के लिए ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर टीम के साथ जाएंगे। वहीं काइल जैमीसन फरवरी 2024 के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे। जैमीसन पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वे दो साल से अधिक समय तक इस फार्मेट से बाहर रहे थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका शानदार रिकार्ड रहा है, उन्होंने 19 टेस्ट मैचों में 19 की औसत से 80 विकेट लिए हैं। 24 वर्षीय विल ओरूर्के भी चोट के कारण पिछले आठ महीने से टेस्ट टीम से बाहर थे और उन्होंने 11 टेस्ट में 39 विकेट लिए हैं। टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी डीन फाक्सक्राफ्ट ने प्लंकेट शील्ड में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और बांग्लादेश में हाल के प्रदर्शन से प्रभावित किया, जिससे उन्हें यह मौका मिला। टीम के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा है कि टीम काफी अच्छी है और उन्हें बेहतर प्रदर्शन का भरोसा है। । डेवोन कानवे, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र और केन विलियमसन जैसे प्रमुख खिलाड़ी भी टीम का हिस्सा हैं। विल यंग को सिर्फ आयरलैंड टेस्ट के लिए चुना गया है, जबकि डेरिल मिचेल के पाकिस्तान सुपर लीग में लगी पिंडली की चोट से फिट होने की उम्मीद है। जैकब डफी को पहली बार पिता बनने के कारण छुट्टी दी गई है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

लखनऊ। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शाट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यार्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं। इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

मैग्नस कार्लसन ने अर्जुन एरिगैसी को हराकर टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीता

माल्मो

विश्व नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने गुरुवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को सडन डेथ प्लेआफ में हराकर टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्य टूर्नामेंट में अपराजित रहने वाले अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा।

टाईब्रेकर की दो बाजियों में दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक जीत दर्ज की, जिसके बाद मुकाबला सडन डेथ तक पहुंचा, जहां कार्लसन ने बाजी मार ली।

यह दूसरी बार है जब अर्जुन इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने से चूक गए। इससे पहले 2024 में भी वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे थे।

अर्जुन अंतिम राउंड में 4.5/6 अंकों के साथ एकल बढ़त पर थे, जबकि कार्लसन और यागिज कान एरदोगमुस उनसे आधा अंक पीछे थे। अगर अर्जुन अंतिम राउंड में एंडी वुडवर्ड को हरा देते तो वह सीधे चैंपियन बन जाते, लेकिन मुकाबला ड्रा रहने के कारण कार्लसन को बराबरी का मौका मिल गया।

दूसरी ओर कार्लसन ने अंतिम राउंड में एरदोगमुस को हराकर अर्जुन की बराबरी कर ली और टूर्नामेंट को प्लेआफ तक पहुंचा दिया। गौरतलब है कि टूर्नामेंट के पहले राउंड में अर्जुन एरिगैसी ने कार्लसन के खिलाफ मुकाबला ड्रा कराया था।

विनेश एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित

नई दिल्ली। कुश्ती में वापसी कर रहीं ओलंपियन विनेश फोगट को करारा झटका लगा है। विनेश को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में अयोग्य घोषित कर दिया गया है। रेसलिंग फेडरेशन आफ इंडिया (डब्यलूएफआई) के अनुसार चयन ट्रायल के लिए योग्यता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में पदक विजेता होने पर निर्भर करती है और वह इसमें से किसी में भी शामिल नहीं थीं। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया। पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से ही विनेश ने खेल से संन्यास ले लिया था। इसलिए वह पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। विनेश ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था पर रेसलिंग फेडरेशन आफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में पूरे किए 100 गोल, अल-नस्र की शानदार जीत

रियाद

दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल दागकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। रोनाल्डो के गोल की बदौलत अल-नस्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली।

41 वर्षीय रोनाल्डो ने मैच के 75वें मिनट में सादियो माने के क्रास पर शानदार फिनिश करते हुए यह खास मुकाम हासिल किया। यह उनके पेशेवर करियर का 971वां गोल भी रहा। मौजूदा सत्र में रोनाल्डो अब तक 26 लीग गोल कर चुके हैं। अल-नस्र के मुख्य कोच जार्ज जीसस ने मैच के बाद कहा, रोनाल्डो हमेशा आक्रमण में खतरनाक साबित होते हैं और आज भी उन्होंने यह दिखा दिया।

इस मुकाबले में जुआओ फेलिक्स ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागे। जुलाई में चेल्सी से टीम में शामिल हुए फेलिक्स लगातार बेहतरीन फार्म में नजर आ रहे हैं।

इस जीत के साथ अल-नस्र ने 32 मैचों में 82 अंक हासिल कर लिए हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद अल-हिलाल से पांच अंक आगे निकल गया है। हालांकि अल-हिलाल के पास अभी तीन मैच बाकी हैं।

अब अल-नस्र का अगला मुकाबला अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी अल-हिलाल के खिलाफ होगा, जिसे लीग खिताब की दौड़ में निर्णायक माना जा रहा है।

कोच जार्ज जीसस ने कहा, यह डर्बी मुकाबला बेहद अहम है। हम पूरी एकाग्रता के साथ इसकी तैयारी कर रहे हैं क्योंकि छोटे-छोटे पल मैच का परिणाम तय कर सकते हैं।

पांच बार के बैलन डीआर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्र से जुड़ने के बाद से अभी तक सऊदी अरब में कोई बड़ा खिताब नहीं जीत सके हैं।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि आईपीएल 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेआफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं।

पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है।

टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी आस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है।

इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं।

वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है।

यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रायल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रायल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

मेकअप बिगाड़ न दे आंखों की खूबसूरती

अपनी खूबसूरती में इजाफा करना है तो मेकअप का सहारा तो लेना ही पडेगा। पर जितना जरूरी है मेकअप के लिए अच्छे प्रोडक्ट का चुनाव और अच्छी तरह से मेकअप करना, उतना ही जरूरी है मेकअप को सही तरीके से उतारना। रात में मेकअप के साथ सोना नुकसानदेह साबित हो सकता है। कैसे उतारें आंखों का मेकअप, बता रही हैं शमीम खान

मेकअप के बढ़ते चलन ने महिलाओं के आकर्षण को बढ़ाने में अहम भूमिका निभायी है। लेकिन इस बात को याद रखना जरूरी है कि मेकअप रसायनों से बना होता है। और जब बात आंख के मेकअप की हो, तो मेकअप करने में ही नहीं, उसे निकालने में भी विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। आई मेकअप को रात को सोने से पहले जरूर निकाल लें। अगर आप आई मेकअप के साथ सो जाएंगी तो पलकों पर फुंसी, दर्द या संक्रमण हो सकता है।

शरीर के बाकी भाग की त्वचा की तरह ही आंखों के आसपास की त्वचा में भी छिद्र होते हैं, यहां की त्वचा को भी सांस लेने की आवश्यकता होती है। अगर आप बिना मेकअप निकाले ही सो जाएंगी तो ये रोमछिद्र बंद हो जाएंगे। इससे पलकों के किनारों पर मौजूद मेबोमियन ग्रंथि (ऊपरी पलकों के आसपास करीब 50 ग्रंथियां होती हैं और निचली पलकों के आसपास करीब 25) में शुष्कता आ जाएगी। मेबोमियन ग्लैंड सबेशियस ग्लैंड होती हैं, जो आंख में बनने वाले आंसुओं का प्रवाह ठीक करती है।

नजरअंदाज न करें इन लक्षणों को

- आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना।
- आंखे लाल होना और उनसे पानी आना।
- आंखो में खुजली होना
- रंगों का साफ दिखाई न देना।
- लगातार सिरदर्द की शिकायत रहना और आंखों में थकावट होना।

ऐसे निकालें आंखों का मेकअप

- मस्कारा, आई लाइनर, आई शैडो और आंखों के दूसरे मेकअप की चीजों में मोम होता है। इसलिए इन्हें निकालना बहुत जरूरी है। अगर आंखों के मेकअप को ठीक तरह से न निकाला जाए, तो आंखों के आसपास की त्वचा काली पड़ जाएगी और झुर्रियां भी आ जाएंगी।
- सबसे जरूरी है कि मेकअप को धीरे-धीरे निकाला जाए क्योंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक और पतली होती है।
- रुई को गुलाब जल या मेकअप रिमूवर में डुबोएं और उसे आंखों पर रखें। इससे मसकारा गल जाएगा और उसे निकालना आसान होगा। तुरंत ही अपनी पलकों को रुई से न रगड़ें। 2-5 मिनट के बाद पलकों और पलकों के बालों पर रुई को धीमी गति से गोलाई से घुमाएं, आंखों पर दबाव न डालें।
- अगर आपने वाटर प्रूफ मेकअप लगा रखा है, तो जैतून के तेल का उपयोग करें। यह इस मेकअप को निकालने के लिए सबसे बेहतर है।
- आंखों का मेकअप एक-एक करके निकालें। दोनों आंखों के लिए एक ही रुई के फाहे का उपयोग न करें।

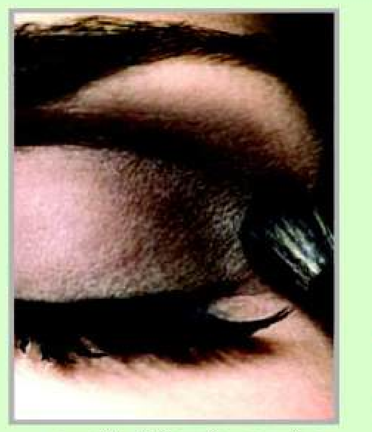

- आंखों के बाद बाकी चेहरे का मेकअप साफ करें। इसके बाद पहले चेहरे को सादे पानी से धोएं, फिर टियर फ्री बैबी शैंपू से। आंखों को जोर-जोर से न रगड़ें।
- विटामिन के और ई युक्त मॉइस्चराइजर से आंखों के आसपास हल्के हाथों से मसाज करें। आंखों की थकान दूर हो जाएगी।
- आंखों के मेकअप को एक साल से ज्यादा इस्तेमाल न करें।
- हमेशा अच्छे ब्रांड के आई मेकअप और रिमूवर का उपयोग करें।
- अपना मेकअप किट कभी भी किसी के साथ शेयर न करें।

गले की खराश बन न जाए परेशानी

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? इसे हल्के में न लें। मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे एक आम परेशानी न समझें। गले की खराश टॉन्सिल या गले का गंभीर संक्रमण भी हो सकता है। कैसे निबटें इस परेशानी से, बता रही हैं मृदुला भारद्वाज

मौसम बदलते ही गले में खराश होना आम बात है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार गले में खराश की समस्या एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की ही जरूरत पड़ती है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर इस समस्या को अनदेखा कर देते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को यूं ही नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है।

टॉन्सिल्स

गले में खराश गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और गले में दर्द खासकर निगलने में परेशानी होती है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते है। इसमें गले के अंदर के दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पडम्ते हैं। ये थोड़े बड़े और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकत्ते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है, लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब यह संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉक्कस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब यह संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाले टॉन्सिल्स। एडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना या खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं क्योंकि नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाती है और कान के परदे के पीछे पानी इकट्ठा होने लगता है। कभी-कभी परदे में छेद होकर मवाद बाहर बहने लगती है। इससे सुनने की क्षमता कम हो जाती है।

कारण

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ रमेश ठाकुर के अनुसार गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खानपान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थों को खाने और मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी गले में सत्रमण की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

उपचार

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ रमेश गले की खराश के बारे में कहते हैं कि आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं। लेकिन स्ट्रेन्टोकॉक्स जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं-

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थ को खूब पिएं।
- हलवा, जई (ओट्स) और सूप जैसी नर्म चीजें खाएं-पिएं।
- पेरासिटामोल या आई ब्रूफिन को आराम आने तक डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर लेते रहें।
- नमक के गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे गले में आराम मिलेगा।
- गंभीर संक्रमण की स्थिति में जब कुछ दिनों में आराम न हो, तब ही एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो, तभी एंटी-फंगल दवाएं दी जाती हैं।
- अदरक, इलायची और काली मिर्च वाली चाय गले की खराश में बेहद आराम पहुंचाती है। साथ ही इस चाय में जीवाणुरोधक गुण भी हैं। इस चाय को नियमित रूप से पीने से गले को आराम मिलता है और खराश दूर होती है।
- धूम्रपान न करें और ज्यादा मिर्च-मसाले वाला भोजन न लें।
- सेलाइन नेसल स्प्रे और ह्यूमिडिफर नाक में नमी बनाए रखने हैं और रुके हुए कफ को हटाने में भी मदद करते हैं।
- खान-पान में विशेष तौर पर परहेज बरतें। फ्रिज का ठंडा पानी न पिएं, न ही अन्य ठंडी चीजें खाएं। एहतियात ही इस परेशानी का हल है।

संजय दत्त की फिल्म *आखरी सवाल* का ट्रेलर रिलीज,15 मई को आएगी सिनेमाघरों में

आखरी सवाल का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने आते ही सोशल मीडिया और दर्शकों के बीच हलचल मचा दी है। संजय दत्त स्टारर यह फिल्म अपने बोल्ड विषय और तीखे सवालों की वजह से पहले ही चर्चा में थी, वहीं अब ट्रेलर ने इस बहस को और तेज कर दिया है। दमदार डायलॉग्स और गहरे नैरेटिव से भरपूर यह ट्रेलर देश के इतिहास और व्यवस्था से जुड़े उन सवालों को सामने लाता है, जिन पर लंबे समय से चर्चा होती रही है। फिल्म में महात्मा गांधी की हत्या में आरएसएस की कथित संलिप्तता, बाबरी मस्जिद विध्वंस और भारतीय आपातकाल जैसे संवेदनशील मुद्दों को दिखाया गया है। ट्रेलर इन घटनाओं से जुड़े कथित रहस्यों और अनसुलझे सवालों की परतें खोलने की कोशिश करता नजर आता है। संजय दत्त ट्रेलर में कई प्रभावशाली संवाद बोलते दिखाई दे रहे हैं, जबकि समीरा रेड्डी की वापसी भी दर्शकों का ध्यान खींच रही है।

MEET OUR EXPERTS - APOLLO, CHENNAI
HAEMATO - ONCOLOGY CLINIC
Apollo HOSPITALS CHENNAI
CONDITIONS/SYMPTOMS:
- Leukemias, lymphomas, myelomas, MDS, MPNS
- CAR-T cell therapy
- Stem cell/ bone marrow transplantation
- Solid tumors - breast, lung, gynaecological, uro-genital, gastro-intestinal, head and neck cancers
- Precision oncology
- Anemia & hemophilia
- All blood related diseases

DR. JAYACHANDRAN P K
MD, MRCP(UK), DM (Med. Oncology), PGDMLE, SCE (Med Oncology), FRCP(Glasg) Fellow in Cellular Therapy (CAR-T) and Stem cell transplantation
Consultant - Medical Oncology, Haemato-Oncology, Stem Cell Transplantation and Cellular Therapy
Apollo Cancer Centre, Chennai

17th May 2026 10:00 am - 3:00 pm
APOLLO HOSPITALS, CHENNAI
REGIONAL OFFICE - GUWAHATI
Rajgarh Main Road, Opp-Bylane - 10, Guwahati - 781003
For appointments Call: 8404037649 / 0361-3102166

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**